विश्व हिंदी समाचार

(विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस का त्रैमासिक प्रकाशन)

www.vishwahindi.com

वर्ष: 9 अंक: 34 जून, 2016

मॉरीशस में श्री अजामिल माताबदल की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

2 अप्रैल, 2016 को विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस ने देश के वरिष्ठ हिंदी सेवी, लेखक व प्रचारक श्री अजामिल माताबदल की स्मृति में हिंदी प्रचारिणी सभा के सभागार में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर सहयोगी संस्थाओं तथा मॉरीशस की अन्य संस्थाओं के अधिकारी व सदस्य, माताबदल परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, दोस्त, लेखक बंधु, हिंदी प्रेमी व छात्र अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उपस्थित हुए।

पृ. 3

न्यू यॉर्क में तृतीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

29-30 अप्रैल तथा 1 मई, 2016 को अमेरिका में हिंदी संगम फ़ाउण्डेशन और भारतीय कौंसलावास, न्यू यॉर्क के संयुक्त तत्वावधान में तृतीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मूल विषय था 'हिंदी भाषा : शिक्षा, साहित्य, कला और संचार माध्यमों में विविध मुद्दों पर अभिव्यक्ति की लोकतांत्रिक आवाज़'।

पृ. 5

मॉरीशस की भोजपुरी लोक कथाओं का जापानी अनुवाद

जापान के तोक्यो विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के शोध केंद्र द्वारा मॉरीशस की भोजपुरी लोक कथाओं पर शोध किया गया। महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के सहयोग से भोजपुरी लोक कथाओं का संकलन तथा अंग्रेज़ी अनुवाद हुआ। तत्पश्चात जापानी केंद्र द्वारा उक्त संकलन का जापानी अनुवाद किया गया। इस संकलन का अनुवाद अब चीनी भाषा में भी करने की योजना है।

पृ. 9

केंद्रीय हिंदी संस्थान का 'हिंदी सेवी सम्मान' समारोह

19 अप्रैल, 2016 को केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा वर्ष 2012, 2013 व 2014 के 'हिंदी सेवी सम्मान' प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति भवन (दिल्ली) में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के हाथों भारत तथा विदेश के 42 हिंदी सेवी विद्वानों को हिंदी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

पृ. 4

मास्को में अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी

27 मई, 2016 को मास्को स्थित रूसी राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय में 'भूमंडलीकरण के दौर में भारतीय और रूसी संस्कृति का योगदान' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन 'रूस-भारत मैत्री संघ' - 'दिशा', मुंबई की साहित्यिक शोध संस्था, राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय, मास्को तथा मास्को के भारतीय दूतावास से सम्बद्ध जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र के सक्रिय सहयोग से किया गया।

पृ. 6

एच. एस. सी. परीक्षा में एक मॉरीशसीय छात्र हिंदी विषय में विश्व में अव्वल

2015 के कैम्ब्रिज हायर स्कूल सर्टिफ़िकेट (12वीं) की परीक्षा में मॉरीशस के महात्मा गांधी संस्थान सेकंडरी स्कूल के छात्र केशव पराऊ को हिंदी विषय में पूरे विश्व में सबसे अधिक अंक प्राप्त हुए।

पृ. 2

आगे देखें:

- प्रो. अरविंद कुमार झा को फ़ुलब्राइट फ़ेलोशिप — पृ. 2
- प्रो. उषा देवी शुक्ल बनीं हिंदी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ़्रीका की अध्यक्षा — पृ. 5
- मॉरीशस में राष्ट्रीय हिंदी नाटक समारोह 2016 — पृ. 8
- डॉ. ल्युदमिला सावेलयेवा व श्री सुभाष चंद्र गुप्त 'मुद्राराक्षस' को श्रद्धांजलि — पृ. 14
- महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस द्वारा 'आप्रवासी साहित्य सृजन सम्मान' हेतु आवेदन आमंत्रित — पृ. 16
- 'विश्व हिंदी पत्रिका 2016' के लिए शोध लेख आमंत्रित — पृ. 16

ISSN 1694-2485

विदाई व शुभकामनाएँ
महामहिम श्री अनूप कुमार मुद्गल, भारतीय उच्चायुक्त, मॉरीशस

मॉरीशस के परम मित्र, विश्व हिंदी सचिवालय की प्रबुद्ध समझ रखनेवाले हिंदी भाषा समर्थक महामहिम श्री अनूप कुमार मुद्गल का मॉरीशस में कार्यकाल 31 मई, 2016 को समाप्त हो गया। महामहिम ने 15 जनवरी, 2014 को मॉरीशस में भारतीय उच्चायुक्त का कार्यभार संभाला था। महामहिम मुद्गल को उनकी भारत वापसी से पूर्व मॉरीशस में अनेक संस्थाओं व संगठनों की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। महामहिम मुद्गल जी को देश की जनता जहाँ भारत और मॉरीशस के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए याद करेगी वहीं देश का हिंदी समुदाय उन्हें एक प्रखर हिंदी वक्ता तथा भाषा समर्थक के रूप में स्मरण करता रहेगा। आपके मार्गदर्शन व सहयोग से हिंदी भाषा संबंधी अनेक योजनाएँ सफल हुईं।

भारत सरकार व मॉरीशस सरकार की द्विपक्षीय संस्था होने के नाते विश्व हिंदी सचिवालय की शासी परिषद तथा कार्यकारिणी बोर्ड में भारतीय उच्चायुक्त की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। महामहिम ने अपने कार्यकाल के दौरान विश्व हिंदी सचिवालय को लगातार अपना मार्गदर्शन और सहयोग दिया। सचिवालय की प्रत्येक गतिविधि में उनकी उपस्थिति और प्रेरणा भरे शब्द तो रहे ही, उनके नेतृत्व में ही 2014 में सचिवालय का अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन संपन्न हुआ। सचिवालय की ओर से यही आशा रहेगी कि अनेक विश्व हिंदी सम्मेलनों के आयोजन तथा मॉरीशस में अपने कार्यकाल से प्राप्त अपार अनुभव से महामहिम मुद्गल जी भविष्य में भी विश्व हिंदी सचिवालय का निरंतर मार्गदर्शन करते रहेंगे।

विश्व हिंदी सचिवालय तथा मॉरीशस के हिंदी समाज की ओर से महामहिम श्री अनूप कुमार मुद्गल को हार्दिक धन्यवाद व शुभकामनाएँ।

प्रो. अरबिंद कुमार झा को फ़ुलब्राइट फ़ेलोशिप

29 जून, 2016 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा को प्रतिष्ठित फ़ुलब्राइट फ़ेलोशिप के लिए चुना गया है। इस छात्रवृत्ति के अंतर्गत प्रो. झा 15 से 29 अक्टूबर, 2016 के दौरान अमेरिका का दौरा करेंगे। इस अवधि में वे अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षा संस्थानों के शैक्षिक, अकादमिक गतिविधियों एवं अधिगम संस्कृति का अध्ययन व अवलोकन करेंगे। उनकी इस उपलब्धि पर शिक्षा विद्यापीठ के समस्त संकाय सदस्यों और कर्मियों सहित विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव एवं अन्य सभी शैक्षिक कर्मियों ने उनको शुभकामनाएँ दीं।

स्रोत : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

स्वागतम्
डॉ. विनोद कुमार मिश्र, महासचिव, विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस

डॉ. विनोद कुमार मिश्र ने 27 मई, 2016 से विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस के महासचिव का पदभार संभाला। डॉ. मिश्र ने भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में लगभग 26 वर्षों तक अपनी बहुमूल्य सेवाएँ दी हैं। हिंदी शिक्षण एवं शोध कार्य के अतिरिक्त तकनीकी शिक्षा के विकास में डॉ. मिश्र ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। जनसंचार माध्यमों से भी आपने हिंदी के प्रचार-प्रसार का सराहनीय कार्य किया है।

विश्वास है कि डॉ. मिश्र के आगमन से विश्व हिंदी सचिवालय को मार्गदर्शन तथा प्रगति के नए आयाम प्राप्त होंगे।

विश्व हिंदी सचिवालय की ओर से महासचिव डॉ. विनोद कुमार मिश्र का हार्दिक स्वागत है।

एच. एस. सी. परीक्षा में एक मॉरीशसीय छात्र हिंदी विषय में विश्व में अव्वल

2015 के कैम्ब्रिज हायर स्कूल सर्टिफ़िकेट (12वीं) की परीक्षा में मॉरीशस के महात्मा गांधी संस्थान सेकंडरी स्कूल के छात्र केशव पराऊ को हिंदी विषय में पूरे विश्व में सबसे अधिक अंक प्राप्त हुए। उल्लेखनीय है कि कैम्ब्रिज की ये परीक्षाएँ इंग्लैंड और मॉरीशस सहित विश्व के अनेक देशों में आयोजित की जाती हैं जहाँ माध्यमिक स्तर की पढ़ाई कैम्ब्रिज प्रणाली से होती है। इस उपलक्ष्य में 20 जून, 2016 को मॉरीशस विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि की उपस्थिति में केशव पराऊ को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उसने कहा 'मेरे लिए हिंदी मेरी संस्कृति का अभिन्न अंग है तथा यह भाषा हमें हमारे पूर्वजों द्वारा विरासत में प्राप्त हुई है।' केशव पराऊ को इस विशेष उपलब्धि के लिए विश्व हिंदी सचिवालय तथा समस्त हिंदी जगत की ओर से बधाई व सार्थक भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ।

विश्व हिंदी सचिवालयच की रिपोर्ट

तकनीकी शिक्षण में वैकल्पिक भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग का प्रस्ताव

16-17 जुलाई 2016 को मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के प्रयुक्त यांत्रिकी विभाग तथा जानपद अभियांत्रिकी विभाग द्वारा ***'राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समावेशी तकनीकी शिक्षा : चुनौतियाँ एवं समाधान'*** विषयक द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के अंतर्गत 'भारतीय तकनीकी शिक्षा का इतिहास एवं विकास', 'मानवीय मूल्य आधारित तकनीकी शिक्षा', 'भारत में तकनीकी शिक्षा', 'शोध-विकास एवं समाज उपयोगी तकनीकी शिक्षा', 'तकनीकी शिक्षा में जलवायु परिवर्तन एवं संरक्षण का समावेश', 'तकनीकी शिक्षा के मुख्य आयाम' तथा 'तकनीकी शिक्षण संस्थानों में वैकल्पिक भाषा का माध्यम' विषयों पर चर्चा हुई।

'तकनीकी शिक्षण संस्थानों में वैकल्पिक भाषा का माध्यम' विषय के अंतर्गत हिंदी सहित भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित सभी भारतीय भाषाओं को तकनीकी शिक्षण संस्थानों में वैकल्पिक भाषा बनाने हेतु प्रोत्साहन पर चर्चा हुई। हिंदी को तकनीकी शिक्षा में वैकल्पिक भाषा का माध्यम बनाने के लिए कार्यरूप दिया गया।

आभार : मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद

मॉरीशस में श्री अजामिल माताबदल की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

2 अप्रैल, 2016 को विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस ने देश के वरिष्ठ हिंदी सेवी, लेखक व प्रचारक श्री अजामिल माताबदल की स्मृति में हिंदी प्रचारिणी सभा के सभागार में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। 14 मार्च 2016 को अस्वस्थता के चलते देह त्याग करनेवाले श्री माताबदल न केवल विश्व हिंदी सचिवालय की शासी परिषद के पूर्व सदस्य थे अपितु दो दशक तक हिंदी प्रचारिणी सभा के प्रधान रहे तथा हिंदी संगठन समेत देश की लगभग सभी महत्वपूर्ण हिंदी प्रचारक संस्थाओं में आपका अमूल्य व सक्रिय योगदान रहा। इसके चलते श्रद्धांजलि सभा के आयोजन में हिंदी प्रचारिणी सभा तथा साहित्य संवाद के सहयोग के साथ-साथ देश की सभी हिंदी संस्थाओं के प्रमुख प्रतिनिधि समारोह में उपस्थित हुए।

समारोह का आरंभ पुण्यात्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना, दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि से हुआ। तत्पश्चात हिंदी प्रचारिणी सभा के सचिव श्री धनराज शम्भु ने सभा के समक्ष अपने विचार रखे।

इस अवसर पर विश्व हिंदी सचिवालय की ओर से एक वीडियो की प्रस्तुति हुई। सचिवालय के कार्यवाहक महासचिव, श्री गंगाधरसिंह सुखलाल व सहायक संपादक सुश्री श्रद्धांजलि हजगैबी द्वारा संकल्पना, शोध, प्रस्तुति, पटकथा लेखन तथा संपादन आदि से तैयार इस प्रस्तुति में माताबदल जी के व्यक्तित्व व कृतित्व तथा हिंदी सेवा पर प्रकाश डाला गया।

प्रस्तुति के बाद माताबदल जी की बेटियों ने प्रेरक व पथ के साथी के रूप में अपने पिता जी से जुड़ीं संवेदनशील स्मृतियों को साझा करते हुए अपने विचार व भावनाएँ व्यक्त कीं।

माताबदल जी के परम मित्र श्री हनुमान दुबे गिरधारी ने सहयात्री के रूप में उनकी यात्रा की याद दिलाई। मॉरीशस की प्रतिनिधि संस्थाओं - महात्मा गांधी संस्थान से डॉ. राजरानी गोबिन, आर्य सभा मॉरीशस से डॉ. उदय नारायण गंगू, साहित्य संवाद से श्रीमती अंजु घरभरन, हिंदी लेखक संघ से श्री इन्द्रदेव भोला, हिंदी संगठन से श्री राजनारायण गति, हिंदी प्रचारिणी सभा से श्री यन्तुदेव बुधु, रामायण केंद्र से पं. राजेन्द्र अरुण, भोजपुरी संगठन से डॉ. सरिता बुधु तथा भारतीय उच्चायोग में द्वितीय सचिव (शिक्षा व भाषा), डॉ. श्रीमती नूतन पाण्डेय आदि ने संवेदना प्रकट करते हुए माताबदल जी के साथ अपने औपचारिक व निजी अनुभव सभा में उपस्थित लोगों के साथ बाँटे। इस अवसर पर उपस्थित मॉरीशस के प्रसिद्ध लेखक बंधु श्री रामदेव धुरंधर, डॉ. हेमराज सुन्दर आदि ने भी अपने उद्‌गार व्यक्त किए तथा चुनाव आयोग के अध्यक्ष श्री ईरफ़ान रहमान ने माताबदल जी के साथ अपने साहचर्य जनित अनुभव साझा किए। इसी बीच छात्रों द्वारा माताबदल जी की कुछ रचनाओं का पाठ भी किया गया।

हिंदी प्रचारिणी सभा के प्रधान श्री यन्तुदेव बुधु ने उक्त अवसर पर माताबदल जी के योगदान तथा सभा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को नमन करते हुए सभा के समिति कक्ष का नाम **श्री अजामिल माताबदल समिति कक्ष** रखा।

श्री बुधु ने माताबदल जी के संपादन में प्रकाशित 'पंकज' पत्रिका की अंतिम प्रति उनको समर्पित करते हुए उनकी बेटी को भेंट की।

माताबदल परिवार की ओर से यह घोषणा भी हुई कि श्री अजामिल माताबदल जी के नाम से एक ट्रस्ट स्थापित की जाए जिसके द्वारा देश में हिंदी के प्रचार का काम किया जाए।

महात्मा गांधी संस्थान के वरिष्ठ व्याख्याता, डॉ. विनय गुदारी की एक कविता तथा श्री गंगाधरसिंह सुखलाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही समारोह संपन्न हुआ।

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

केंद्रीय हिंदी संस्थान का 'हिंदी सेवी सम्मान' समारोह

19 अप्रैल, 2016 को केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा वर्ष 2012, 2013 व 2014 के 'हिंदी सेवी सम्मान' प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति भवन में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के हाथों भारत और विदेश के 42 हिंदी सेवी विद्वानों को हिंदी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में तत्कालीन केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री व संस्थान की अध्यक्षा, माननीया श्रीमती स्मृति ईरानी, राज्य मंत्री, माननीय प्रो. रमाशंकर कठेरिया, उच्च शिक्षा सचिव विनयशील ओबेरॉय, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष बलदेव भाई शर्मा तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. कमल किशोर गोइन्का व निदेशक प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय सहित अनेक महानुभाव उपस्थित थे।

केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा 'हिंदी सेवी सम्मान' योजना का आरंभ सन् 1989 में किया गया था। संस्थान द्वारा प्रति वर्ष इस योजना के अंतर्गत हिंदी के उन्नयन, विकास एवं प्रचार-प्रसार हेतु उत्कृष्ट कार्य करनेवाले 14 भारतीय तथा भारतेतर हिंदी विद्वानों को निर्धारित सात पुरस्कार श्रेणियों में सम्मानित किया जाता है। वर्ष 2012, 2013 व 2014 के लिए प्रत्येक पुरस्कार श्रेणी के अंतर्गत सम्मानित होनेवाले विद्वान इस प्रकार हैं :

2012	2013	2014
हिंदी प्रचार-प्रसार एवं हिंदी प्रशिक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए 'गंगाशरण सिंह पुरस्कार'		
प्रो. बी. सत्यनारायण, हैदराबाद डॉ. राधाकांत मिश्र, भुवनेश्वर प्रो. पी. वी. विजयन, कोचीन डॉ. आर. सुरेन्द्रन, मलपुरम	डॉ. क्षीरदा कुमार शाइकीया, गुवाहाटी श्री टी. एस. के. कण्णन, चेन्नई डॉ. रवींद्रनाथ मिश्र, शांतिनिकेतन श्रीमती डी. एम. सावित्री, पोर्ट ब्लेयर	प्रो. एम. वेंकटेश्वर, हैदराबाद प्रो. वी. डी. हेगड़े, मैसूर डॉ. देवेन चंद दास, गुवाहाटी डॉ. बीना बुदकी, जम्मू
हिंदी पत्रकारिता तथा रचनात्मक साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु 'गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार'		
श्री महेश दर्पण, दिल्ली श्री विश्वनाथ सचदेव, मुम्बई	श्री राजीव कटारा, दिल्ली डॉ. बी.वै. ललितांबा, बेंगलूरू	डॉ. देवेंद्र दीपक, भोपाल डॉ. शत्रुघ्न प्रसाद, पटना
वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य तथा उपकरण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए 'आत्माराम पुरस्कार'		
डॉ. ओम प्रकाश शर्मा, ग़ाज़ियाबाद डॉ. गणेश शंकर पालीवाल, दिल्ली	श्री बालेंदु शर्मा दाधीच, गुड़गाँव डॉ. दिनेश मणि, इलाहाबाद	श्री सुरेश कुमार जिंदल, दिल्ली डॉ. सुरेश तिवारी, ग़ाज़ियाबाद
हिंदी के विकास से संबंधित सर्जनात्मक/आलोचनात्मक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु 'सुब्रह्मण्यम् भारती पुरस्कार'		
डॉ. एस. विजया, चेन्नई डॉ. अमृता भारती, पुद्दुचेरी	प्रो. आई. एन. चंद्रशेखर रेड्डी, तिरुपति डॉ. मुक्ता, चंडीगढ़	श्री नरेंद्र कोहली, दिल्ली प्रो. श्यौराज सिंह 'बेचैन', ग़ाज़ियाबाद
हिंदी में खोज और संधान करने तथा यात्रा विवरण आदि के लिए 'महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार'		
प्रो. एस. रहमतुल्लाह, चेन्नई प्रो. जी. गोपीनाथन, केरल	डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, गोरखपुर डॉ. पूर्ण सिंह डबास, दिल्ली	डॉ. सुरेश गौतम, दिल्ली डॉ. बलदेव वंशी, फ़रीदाबाद
विदेशी हिंदी विद्वानों द्वारा विदेशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय कार्य हेतु 'डॉ. जॉर्ज ग्रियर्सन पुरस्कार'		
डॉ. अलका धनपत, मॉरीशस	प्रो. ग.फू. फ़िंङ, चीन	श्री शिचिरो सोमा, जापान
भारतीय मूल के विद्वानों द्वारा विदेशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय कार्य हेतु 'पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण पुरस्कार'		
डॉ. सुषम बेदी, अमेरिका	श्रीमती स्नेह ठाकुर, कनाडा	श्रीमती सुधा ओम ढींगरा, अमेरिका

सभी सम्मानित विद्वान हिंदी सेवियों को हार्दिक बधाई।

स्रोत : राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली

प्रो. उषा देवी शुक्ल बनीं हिंदी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ़्रीका की अध्यक्षा

26 जून 2016 को हिंदी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ़्रीका की द्विवार्षिक बैठक के अंतर्गत प्रो. उषा देवी शुक्ल को संघ की नई अध्यक्षा मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष पद पर श्री वीरन सिंह, सचिव पद पर श्री बृजलाल रामबली, कोषाध्यक्ष पद पर श्री मोहनलाल तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी पद पर श्रीमती शरोमा सिंह मनोनीत हुईं।

इस अवसर पर संघ की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती मालती रामबली को उनकी सतत सेवा के लिए धन्यवाद दिया गया। श्रीमती रामबली ने 2012 से 2016 तक हिंदी शिक्षा संघ की बागडोर संभाली और संघ को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। अपने कार्यकाल में आप हिंदी की सेवा तथा दक्षिण अफ़्रीका में हिंदी की रक्षा के लिए संघर्षरत रहीं। आपने अपने कार्यकाल में न केवल स्थानीय स्तर पर संघ और हिंदी की सेवा की अपितु 2015 में मॉरीशस में विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन तथा 2015 में भोपाल में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। आपने 2014 में मुम्बई में वैश्विक हिंदी सम्मेलन में भी भाग लिया जहाँ हिंदी के उन्नयन में योगदान के लिए हिंदी शिक्षा संघ को सम्मान प्राप्त हुआ था। हिंदी के उन्नयन व प्रचार में आपके योगदान के लिए 2010 में आपको हिंदी शिक्षा संघ का प्रतिष्ठित विद्यारत्न सम्मान भी दिया गया।

संघ की नई अध्यक्षा प्रो. उषा देवी शुक्ल को सितंबर 2015 में भोपाल, भारत में आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में 'विश्व हिंदी सम्मान' से विभूषित किया गया। दक्षिण अफ़्रीका में हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रचार-प्रसार में आपका विशेष योगदान रहा है। प्रो. उषा देवी शुक्ल क्वाज़ूलू नताल के स्टेन्जर शहर की निवासी हैं। आप बचपन से ही भारतीय भाषाओं, संस्कृति, धर्म तथा कला इत्यादि में रुचि रखती हैं। आपने डरबन-वेस्टविल विश्वविद्यालय में प्रो. रामभजन सीताराम के निदेशन में शिक्षा प्राप्त की तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से हिंदी की डिग्री प्राप्त की। हिंदी के अतिरिक्त आपने संस्कृत और उर्दू की पढ़ाई भी की।

विश्व हिंदी सचिवालय तथा समस्त हिंदी जगत की ओर से श्रीमती मालती रामबली व पूर्व अधिकारियों के प्रति आभार। प्रो. उषा देवी शुक्ल व संघ के सभी नए अधिकारियों को बधाई तथा भावी योजनाओं के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

साभार : हिंदी खबर, हिंदी शिक्षा संघ, जोहान्सबर्ग का सूचनापत्र (अंक जून 2016)

डॉ. दामोदर खडसे हिंदी विश्वविद्यालय के 'राइटर इन रेज़ीडेंस' नियुक्त

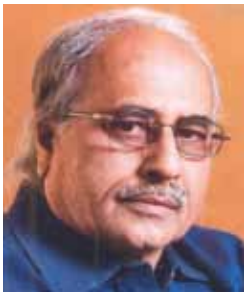

6 जून, 2016 को प्रसिद्ध हिंदी कवि-कथाकार व अनुवादक डॉ. दामोदर खडसे को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में 'राइटर इन रेज़ीडेंस' के रूप में नियुक्त किया गया। मराठी एवं हिंदी साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें इस पद पर नियुक्त किया गया। डॉ. खडसे ने 20 से अधिक मराठी पुस्तकों का हिंदी अनुवाद किया है व आपकी लगभग 22 कविता, कहानी एवं उपन्यास की पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। आपको 2015 में मराठी पुस्तक 'बारोमास' के हिंदी अनुवाद के लिए साहित्य अकादमी का 'अनुवाद पुरस्कार', केंद्रीय हिंदी संस्थान का 'गंगाशरण सिंह पुरस्कार', केंद्रीय हिंदी निदेशालय का 'राष्ट्रीय साहित्य पुरस्कार', उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान का 'सौहार्द सम्मान', मध्य प्रदेश साहित्य परिषद का 'आचार्य रामचंद्र शुक्ल पुरस्कार', महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी की ओर से 'महाराष्ट्र भारती जीवन गौरव पुरस्कार' सहित अनेक पुरस्कारों से विभूषित किया गया है।

स्रोत : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

न्यू यॉर्क में तृतीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

29-30 अप्रैल तथा 1 मई, 2016 को अमेरिका में हिंदी संगम फ़ाउण्डेशन और भारतीय कोंसलावास, न्यू यॉर्क के संयुक्त तत्वावधान में तृतीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मूल विषय था 'हिंदी भाषा : शिक्षा, साहित्य, कला और संचार माध्यमों में विविध मुद्दों पर अभिव्यक्ति की लोकतांत्रिक आवाज़'।

सम्मेलन का उद्घाटन 29 अप्रैल को न्यू यॉर्क में भारतीय महावाणिज्यदूत, माननीया रिवा गांगुली दास द्वारा किया गया। न्यू यॉर्क में भारतीय उप-महावाणिज्यदूत, माननीय डॉ. मनोज कुमार मोहापात्र विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर भारत, अमेरिका, यूरोप तथा अन्य देशों के कई विद्वान उपस्थित थे।

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य था अमेरिका और अन्य देशों में, जहाँ भारतीय समुदाय फल फूल रहा है, वहाँ शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा साहित्य, संवाद, व्यवसाय और वाणिज्य आदि विशेष अध्ययन क्षेत्रों में चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों और दैनिक कार्यकलाप में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देना। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु सम्मेलन ने हिंदी और अन्य भाषा विशेषज्ञों व समर्थकों के बीच विचार विनिमय का मंच और हिंदी शिक्षण को विस्तार देने के लिए मार्गदर्शन के अवसर प्रदान किए।

सम्मेलन के संयोजक श्री अशोक ओझा ने कहा कि अमेरिका में कई शिक्षा संस्थानों में अंग्रेज़ी के अलावा एक और विदेशी भाषा का अध्ययन आवश्यक होने के कारण स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों की उच्च शिक्षा तक हिंदी को अपनाने के लिए भरपूर अवसर उपलब्ध हैं। अत: हिंदी की क्षमता पर प्रश्न चिन्ह लगाने का युग समाप्त हो चुका है। आनेवाले दिनों में उन सभी विधाओं और व्यवसायों में हिंदी का प्रवेश सुनिश्चित कराने के लिए कार्य करना है। हिंदी के बहुआयामी विकास में यह सम्मेलन न केवल एक परंपरा कायम कर रहा है वरन आनेवाली पीढ़ी को अपनी भाषा और संस्कृति के साथ अटूट संबंध बनाए रखने की प्रेरणा भी दे रहा है।

सम्मेलन के प्रथम दिन के परिपूर्ण सत्र के दौरान उपसला, स्वीडन स्थित इंस्टिट्यूट ऑव लिंग्विस्टिक्स एंड फ़िलोलॉजी के हिंदी विद्वान डॉ. हैंज़ वेस्लर ने मुख्य वक्ता के रूप में 'हिंदी के दलित साहित्य में पहचान और प्रतिनिधित्व' विषय पर बात की। सम्मेलन के अंतर्गत डॉ. ओल्गा कगान, डॉ. सुरेन्द्र गंभीर, डॉ. राकेश रंजन, मोरा कॉलिंज, डॉ. विजय गंभीर, डॉ. सुषम बेदी, डॉ. प्रेम जन्मजेय, डॉ. जगन्नाथ रेड्डी, बी. हेमलता आदि विद्वानों ने भी पत्र प्रस्तुत किए।

सम्मेलन के दूसरे दिन डॉ. बिंदेश्वरी अग्रवाल द्वारा संचालित एक कवि सम्मेलन का आयोजन भी हुआ।

सम्मेलन के अन्त में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि अमेरिका में 'हिंदी शिक्षण केंद्र' नाम से जिस हिंदी केंद्र की स्थापना होनेवाली है उसको साकार करने में भारत सरकार सहयोग दे।

इसके अलावा समापन समारोह के अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मी प्रसाद यार्लगड्डा ने हिंदी संगम फॉउण्डेशन, यू.एस.ए. तथा लोक नायक फॉउण्डेशन, आंध्र प्रदेश, भारत के सहयोग से विशाखपट्नम में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने का प्रस्ताव रखा।

सम्मेलन में लगभग 100 हिंदी विद्वान, शिक्षक, यू.एस. ए. में भारतीय अमेरिकी समुदाय के प्रतिनिधि सदस्य तथा तुर्की और भारत के अनेक विश्वविद्यालयों से शोधार्थियों ने भाग लिया।

साभार : अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 2016, न्यू यॉर्क, यू. एस. ए. वेबसाइट

शिलांग में राष्ट्रीय हिंदी विकास सम्मेलन

27 से 29 मई, 2016 को श्री राजस्थान विश्राम भवन, शिलांग, मेघालय में उत्तर पूर्वी परिषद के सहयोग से पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी द्वारा ***'पूर्वोत्तर भारत में राष्ट्रीय भाषाओं एवं नागरी लिपि का प्रोन्नयन'*** विषय पर एक राष्ट्रीय हिंदी विकास सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, जीवनराम मुंगी देवी पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा समाज सेवी श्री शंकरलाल जी. गोयनका ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जे. एन. बावरी, श्री पवन बावरी, श्री जे. पी. शर्मा, श्री हरिवाणी, स्थानीय समाजसेवी एवं अकादमी के संरक्षक श्री पुरुषोत्तम दास जी चोखानी, तेलंगाना के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. पठान रहीम खान, पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी के अध्यक्ष श्री बिमल बजाज उपस्थित थे।

प्रथम दिन मंचस्थ अतिथियों द्वारा पूर्वोत्तर वार्ता एवं कहानी लेखन महाविद्यालय, अंबाला छावनी द्वारा 'शुभ तारिका के डॉ. महाराज कृष्ण जैन विशेषांक' सहित 'वैश्य परिवार' पत्रिका, 'साहित्य समीर दस्तक' मासिक भोपाल, 'नव-निकष' मासिक कानपुर, 'गीत गुंजन' मासिक, 'अनन्तिम' मासिक, श्री रण काफले का कहानी संग्रह 'नानी की कहानियाँ', डॉ. पठान रहीम खान की दो पुस्तकें 'भीष्म साहनी का कहानी-साहित्य-युग संदर्भ' और 'भीष्म साहनी का कहानी साहित्य-कथ्य एवं शिल्प', विशाल के. सी. की पुस्तक 'शहीद', श्रीमती अरुणा अग्रवाल की पुस्तक 'तकाज़ा है वक्त का' और कन्हैया लाल गुप्त 'सलिल' की दो पुस्तकें 'चिन्तन की चिंगारियाँ' और 'गौशाला' का लोकार्पण किया गया। तत्पश्चात राजकुमार जैन, राजन फाउण्डेशन, आकोला, चित्तौड़गढ़ की ओर से श्री बिमल बजाज को पूर्वोत्तर भारत में हिंदी के विकास के लिए सराहनीय कार्य हेतु 'अम्बालाल हींगड़ स्मृति सम्मान' से विभूषित किया गया। इसके अतिरिक्त 15 राज्यों के कुल 49 भाषाओं के कवियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ भी किया। इस सत्र का संचालन डॉ. अरुणा कुमारी उपाध्याय ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अकेलाभाई ने किया।

दूसरे दिन ***'पूर्वोत्तर भारत में राष्ट्रीय भाषाओं और नागरी लिपि का प्रोन्नयन'*** विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए 17 विशेषज्ञों ने अपने-अपने आलेख पढ़े। डॉ. लक्ष्मी कान्त पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी विद्वानों के आलेखों की प्रशंसा करते हुए बताया कि इस तरह के सम्मेलनों के आयोजन से पूर्वोत्तर भारत ही नहीं बल्कि पूरे देश में हिंदी का विकास होगा। समारोह के दौरान कई लेखकों व विद्वानों को उनकी साहित्यधर्मिता व लेखन हेतु 'डॉ. महाराज कृष्ण जैन स्मृति सम्मान', हिंदी भाषा, साहित्य एवं नागरी लिपि के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'केशरदेव गिनिया देवी बजाज स्मृति सम्मान', भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए 'जीवनराम मुंगी देवी गोयनका स्मृति सम्मान' तथा जन कल्याण एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए 'जे. एन. बावरी स्मृति सम्मान 2016' से सम्मानित किया गया। द्वितीय सत्र का समापन नृत्य एवं संगीत समागम से हुआ। मंच संचालन डॉ. संगीता सक्सेना, डॉ. अरुणा उपाध्याय व श्री संजय अग्रवाल ने किया। आभार ज्ञापन आयोजन समिति की ओर से डॉ. अकेलाभाई ने किया।

डॉ. अकेलाभाई (पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी) की रिपोर्ट

मास्को में अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी

27 मई, 2016 को मास्को स्थित रूसी राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय में 'भूमंडलीकरण के दौर में भारतीय और रूसी संस्कृति का योगदान' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन 'रूस-भारत मैत्री संघ'-'दिशा', मुंबई की साहित्यिक सांस्कृतिक शोध संस्था, राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय, मास्को तथा मास्को के भारतीय दूतावास से सम्बद्ध जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र के सक्रिय सहयोग से किया गया। इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक श्री आशीष शर्मा तथा रूस-भारत मैत्री संघ 'दिशा' के संस्थापक व अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर सिंह ने उद्घाटन भाषण दिए। तत्पश्चात रूसी एवं भारतीय प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

संगोष्ठी में हिंदी में प्रकाशित कई पत्रिकाओं एवं पुस्तकों की प्रदर्शिनी लगाई गई जैसे - डॉ. प्रदीप कुमार सिंह की 'भारत, रूस, उज़्बेक का समसामयिक सरोकार' पत्रिका, डॉ. रामेश्वर सिंह की त्रैमासिक पत्रिका 'नई दिशा', साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका 'ब्रह्मर्षि समाज दर्शन', भरुआ के कन्या डिग्री कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रभा दीक्षित की पुस्तक 'भूमंडलीकरण का अमानवीय चेहरा' आदि।

इस अवसर पर प्रो. सरगेय सेरेब्रियानी, प्रो. बोरिस ज़खारियिन, प्रो. एवजेनिया वनिना, डॉ. इरिना माक्सिमेन्को विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

संगोष्ठी में मास्को व रूस के अन्य नगरों से 50 से अधिक हिंदी प्राध्यापक तथा भारत के अनेक प्रदेशों- झारखण्ड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों से 22 प्रतिष्ठित प्राध्यापकों ने भाग लिया। साथ ही मास्को विश्वविद्यालय के लगभग 30 हिंदी शिक्षकों व छात्रों, रूसी विज्ञान अकादमी के विद्वानों आदि ने भी संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रतिभागियों ने विश्वास जताया कि इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी से साहित्य, भाषाशास्त्र, दर्शन और संस्कृति के क्षेत्र में रूस व भारत के बीच द्विपक्षीय संबंध और सुदृढ़ होंगे।

डॉ. इंदिरा गाज़िएवा की रिपोर्ट

भारत की प्रथम हिंदी व देवनागरी केंद्रित सोशल वेबसाइट 'शब्दनागरी' के एंड्रॉयड ऐप का शुभावतरण

30 अप्रैल, 2016 को कानपुर में आई. आई. टी. में इंजीनियर अमितेश मिश्र के नेतृत्व में भारत की प्रथम हिंदी व देवनागरी केंद्रित सोशल वेबसाइट 'शब्दनागरी' के एंड्रॉयड ऐप का शुभावतरण देश के सुप्रसिद्ध शिक्षाविद संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव व भारतीय भाषा मंच के संरक्षक श्री अतुल कोठारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर भारतीय भाषा मंच के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. वृषभ प्रसाद जैन, कानपुर इकाई की अध्यक्षा डॉ. गायत्री सिंह, मेरठ इकाई की अध्यक्षा डॉ. सीमा शर्मा, लखनऊ इकाई के संयोजक श्री राधेश्याम के अतिरिक्त एयरो स्पेस विभाग के प्रो. डी. पी. मिश्र उपस्थित थे।

साभार : वैश्विक हिंदी सम्मेलन, मुंबई

बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन : दो दिवसीय महाधिवेशन

2-3 अप्रैल, 2016 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन द्वारा दो दिवसीय महाधिवेशन का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन बिहार के राज्यपाल महामहिम श्री रामनाथ कोविन्द व गोवा की राज्यपाल महामहिम डॉ. मृदुला सिन्हा ने किया।

सम्मेलन को 4 सत्रों में बाँटा गया जिसमें भारत के लगभग सभी प्रदेशों के हिंदी प्रेमी, रचनाकार और साहित्यकार सम्मिलित हुए। प्रथम सत्र *'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता: सामाजिक दायित्व, पत्रकारिता और साहित्य'* विषय पर, दूसरा सत्र *'साहित्य में ग्राम जीवन और बिहार'* विषय पर, तीसरा सत्र *'राजभाषा हिंदी के समक्ष चुनौतियाँ और बिहार'* विषय पर तथा चौथा सत्र *'हिंदी साहित्य में महिलाओं की सहभागिता'* विषय पर आधारित रहा।

श्री कोविन्द ने पटना में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के 37वें अधिवेशन के औपचारिक उद्घाटन के पश्चात कथा-सम्राट मुंशी प्रेमचंद को उद्धृत करते हुए कहा कि *'हमारी कसौटी पर वही साहित्य खरा उतरेगा जिसमें उच्च चिंतन हो, स्वाधीनता का भाव हो, सौंदर्य का सार हो सृजन की आत्मा हो, जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश हो और जो गति, संघर्ष और बेचैनी पैदा करे।'* राज्यपाल महामहिम श्रीमती मृदुला सिन्हा ने हिंदी को हृदय की भाषा बताया और कहा कि *'सूचना क्रांति के मौजूदा दौर में यह देखना होगा कि इसकी प्रासंगिकता कैसे बनी रहे तथा हिंदी साहित्य के विकास के लिए युवा पीढ़ी को साथ लेने की आवश्यकता है।'*

सम्मेलन में गोवर्द्धन प्रसाद सहाय, डॉ. शिववंश पाण्डेय, ब्रजमोहन सहाय मोहन प्रेम योगी, डॉ. रामधारी सिंह 'दिवाकर', डॉ. दिनेश दत्त शर्मा, प्रो. सुरेंद्र स्निग्ध, डॉ. शिवदास पाण्डेय, सुनील कुमार पाठक, ऋषिकेश सुलभ, चंद्रमोहन प्रधान, हृदेश्वर, ओम प्रकाश साह प्रियंवद, डॉ. किशोर सिन्हा, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. कल्याणी कुसुम सिंह, संजय कुमार, डॉ. ध्रुव कुमार, डॉ. नीलिमा सिन्हा, डॉ. परिमलेंदु कुमार सिन्हा, कमलेंद्र झा कमल, बच्चा ठाकुर, डॉ. सुमेधा पाठक, डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. शिव कुमार, डॉ. धीरेंद्र झा, सैय्यद हुसैन अब्बास रिज़वी, डॉ. विनोद कुमार मंगलम, अर्जुन प्रसाद बादल, सुदर्शन श्रीनिवास शाण्डिल्य, हेमंत कुमार, अरुण कुमार वर्मा, डॉ. नवल किशोर प्रसाद श्रीवास्तव, राम उचित पासवान, डॉ. अमरेंद्र नारायण, डॉ. भावना शेखर, नाशाद 'औरंगाबादी'', रमेश कंवल, डॉ. अर्चना त्रिपाठी, ज़फर सिद्दिकी, हैसन नवाब हसन, रुखसाना सिद्दिकी, डॉ. माधुरी सिंह, संगीता चौधरी, चंद्र किशोर परासर, अशरफ अस्थानवी, आर प्रवेश, रेणु कुमारी, अशोक महेश्वरी तथा प्रकाशन में राज कमल प्रकाशन, दिल्ली को सम्मानित किया गया।

साथ ही राज्यपाल महामहिम डॉ. मृदुला सिन्हा के हाथों मल्लिक और डॉ. ओपी पाण्डेय द्वारा संपादित 'महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा', डॉ. शहनाज़ फ़ातमी के उपन्यास 'चाँद', रवि घोष के काव्य संग्रह 'सालवंती', हेमंत दास हिम के कविता संग्रह 'तुम आओ चहकते हुए', सुनील कुमार की पुस्तक 'महात्मा गांधी प्रारंभ से दक्षिण अफ्रीका तक', सम्मेलन की त्रैमासिक पत्रिका 'सम्मेलन साहित्य' का लोकार्पण किया गया। दो दिवसीय महाधिवेशन का संचालन डॉ. शांति जैन तथा योगेंद्र प्रसाद मिश्र ने किया। इस महाधिवेशन में देश भर से 250 से अधिक साहित्यकारों और वक्ताओं ने भाग लिया।

साभार : बिहार खोज खबर.कॉम

मॉरीशस में राष्ट्रीय हिंदी नाटक समारोह 2016

मॉरीशस में कला एवं संस्कृति मंत्रालय द्वारा अप्रैल-मई 2016 में राष्ट्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देश के 12 कॉलेज, 11 क्लब और 2 प्राथमिक पाठशालाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता के अंतिम चरण का आयोजन 16 मई 2016 को वाक्वा के सेर्ज़ कोंस्टाँटें नाट्यगृह में हुआ जहाँ प्रथम चरण पार करके आए तीन श्रेष्ठ नाटक मंचित हुए। समारोह में मॉरीशस के कला एवं संस्कृति मंत्री, माननीय श्री सांताराम बाबू तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

इस वार्षिक राष्ट्रीय प्रतियोगिता के 2016 संस्करण में सर्वश्रेष्ठ नाटक का पुरस्कार '**अग्नि परीक्षा**' (**हिंदू गर्ल्स कॉलेज**) को मिला, द्वितीय स्थान पर '**परदा उठने से पहले**' (**प्रो. वासुदेव विष्णुदयाल कॉलेज – ड्रामा क्लब**) तथा तृतीय स्थान पर '**आएगा मेरा लाल**' (**वाक्वा अमरदीप नेशनल आर्ट्स**) रहे।

अभिनेताओं, लेखकों - कृष्णानंदसिंह रामधनी, एम. डी. संकर बिहारी, अनिल दनहू, राम नारायण, लक्ष्मी भैरव, उत्तम भगावू, इंदिरा दूलब तथा राजेश कुमार उदय आदि को 'विशेष जूरी अवार्ड' प्रदान किए गए। अनीता तिवारी को सर्वश्रेष्ठ नाटक के लिए 'विशेष पुरस्कार', तीशा डूली को 15 वर्ष के नीचे की आयु की अभिनेत्री के लिए 'विशेष पुरस्कार', योगीश्वर सिंह कुशल को 15 वर्ष के नीचे की आयु के अभिनेता के लिए 'विशेष पुरस्कार', ऋशिका जद्दू को 'मोस्ट प्रोमिसिंग युवा अभिनेत्री के लिए विशेष पुरस्कार', तुषार झरी को 'मोस्ट प्रोमिसिंग युवा अभिनेता के लिए विशेष पुरस्कार', चेतनदेव शर्मा चमिलाल को 'बिगिनर ग्रुप के लिए विशेष पुरस्कार', इशिता जगन को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री', चेतन आनंद हज़ूरी को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता', यनिष्टा गोपोल को 'द्वितीय श्रेष्ठ अभिनेत्री', राजेश्वर सितोहल को 'द्वितीय श्रेष्ठ अभिनेता', राजेश कुमार उदय को 'सर्वश्रेष्ठ सेट डिज़ाइनर', सोनंजय चमन को 'सर्वश्रेष्ठ स्थानीय लेखक', शिव गिरधारी को 'सर्वश्रेष्ठ कॉलेज टीम', राजेश कुमार उदय को 'सर्वश्रेष्ठ निर्देशक' तथा चेतन आनंद हज़ूरी को 'द्वितीय श्रेष्ठ निर्देशक' पुरस्कार प्राप्त हुए।

मॉरीशस में हिंदी रंगमंच के प्रति लोगों की रुचि और सुदृढ़ करने तथा हिंदी नाटक और रंगमंच के प्रसार के माध्यम से हिंदी भाषा के उत्थान में अपना योगदान देने के उद्देश्य से कला एवं संस्कृति मंत्रालय प्रति वर्ष हिंदी और भोजपुरी सहित दस भाषाओं में नाटक समारोह आयोजित करता है। प्रतियोगिता का आयोजन देश के अनेक भागों में इस उद्देश्य से किया गया ताकि हर प्रांत के लोगों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर मिल सके।

श्री राकेश श्रीकिसुन की रिपोर्ट

आरा में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी संपन्न

2-3 अप्रैल, 2016 को एस. आर. एम. विश्वविद्यालय, कट्टनकुलाथुर, चेन्नई के हिंदी विभाग तथा सृजनलोक प्रकाश, आरा, बिहार के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सह सृजनलोक सम्मान समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के टी. पी. गणेश सभागार में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मॉरीशस के वरिष्ठ साहित्यकार श्री राज हीरामन उपस्थित थे। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि तथा प्रख्यात कवि अग्निशेखर, दक्षिण भारत प्रचार सभा की कुलसचिव डॉ. निर्मला मौर्य व पुद्दुचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय के डीन डॉ. एन. के. झा द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर 'सृजनलोक प्रकाशन' द्वारा प्रकाशित 'शांतिचित्रा' के अंग्रेज़ी उपन्यास 'द फ्रैक्टलस' व संतोष श्रेयांस के कविता संग्रह 'शुक्रगुज़ार हूँ दिल्ली' का लोकार्पण प्रख्यात तमिल फ़िल्म निर्देशक राधामोहन एवं नल्लन कुमारस्वामी सहित उपस्थित मुख्य अतिथि के हाथों हुआ।

इसी सत्र में आयोजित 'सृजनलोक सम्मान समारोह 2016' के अंतर्गत मॉरीशस के श्री राज हीरामन को 'सृजनलोक जीवनोपलब्धि सम्मान', शिमला के श्री आत्मरंजन को 'सृजनलोक युवा कवि सम्मान', उत्तर प्रदेश के श्री मुकेश कुमार मिश्र को 'सृजनलोक हिंदी सेवी सम्मान' तथा जापान के श्री रमाजय शर्मा को 'साहित्य श्री' से विभूषित किया गया। इसके अतिरिक्त नेपाल की सुश्री उषा तिवारी व जमुना उपाध्याय सहित सभी विशेष अतिथियों का भी सम्मान किया गया।

द्वितीय सत्र में अंतरराष्ट्रीय कवि संगम का भव्य आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित सभी वरिष्ठ कवियों ने अपनी-अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं।

द्वितीय दिवस का आरंभ शिक्षकों एवं शोधार्थियों के प्रपत्र वाचन से हुआ। द्वितीय दिवस में श्री रमेश कुमार द्वारा 'श्री अग्निशेखर की कविताओं का तमिल अनुवाद' तथा सुश्री पवना कुमारी की पुस्तक 'सूर्यबाला की कहानियों में व्यंग्य' का लोकार्पण हुआ।

कार्यक्रम का समापन एस. आर. एम. विश्वविद्यालय के एम. ए. डी. क्लब के बच्चों द्वारा 'अंधेर नगरी' नाटक की प्रस्तुति से हुआ।

साभार : हिंदीमीडिया.इन

मॉरीशस में हिंदी प्रचारिणी सभा के स्थापना दिवस पर विचार गोष्ठी व कवि सम्मेलन

18 जून 2016 को हिंदी भवन, लोंग माउंटेन, मॉरीशस में हिंदी प्रचारिणी सभा के स्थापना दिवस की वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में एक दिवसीय साहित्यिक गतिविधि का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत पूर्वाह्न में विचार गोष्ठी तथा अपराह्न में कवि सम्मेलन आयोजित किया गया।

हिंदी प्रचारिणी सभा, मॉरीशस में हिंदी के प्रचार हेतु स्थापित सबसे पुरानी और महत्वपूर्ण संस्थाओं में एक है जो पिछले आठ दशक से स्वयंसेवी आधार पर कार्य करती आ रही है। सभा के सभी समर्थकों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि 1936 में उसके संस्थापक सदस्यों में से एक 104 वर्ष के श्री बृजलाल धनपत अभी भी सभा की महत्वपूर्ण गतिविधियों में उपस्थित रहते हैं तथा इस अवसर पर भी देश के हिंदी व साहित्य प्रेमियों को उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

पूर्वाह्न में आयोजित विचार सत्र में सभा के छात्रों के लिए मॉरीशसीय हिंदी साहित्य पर एक वक्तव्य हुआ। कवि व संपादक श्री राज हीरामन ने मॉरीशस के वरिष्ठ गद्यकार श्री रामदेव धुरन्धर के व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा की व उपस्थित छात्रों व पाठकों के साथ विचार विनिमय किया।

विगत कुछ वर्षों से चली आ रही परम्परा के अनुरूप स्थापना दिवस की इस वर्षगाँठ पर भी स्थानीय रचनाकारों के प्रोत्साहन हेतु एक कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस वर्ष के आयोजन में भारतीय उच्चायोग व भारतीय सांस्कृतिक केंद्र के तत्वावधान में स्थापित साहित्य संवाद मंच का भी सौजन्य रहा। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता विश्व हिंदी सचिवालय के नए महासचिव डॉ. विनोद कुमार मिश्र ने की। इस अवसर पर प्रचारिणी सभा द्वारा उनका औपचारिक स्वागत भी किया गया। गोष्ठी की विशेष अतिथि भारतीय उच्चायोग की द्वितीय सचिव डॉ. नूतन पांडेय रहीं व संचालन श्री गंगाधरसिंह सुखलाल ने किया।

कवि सम्मेलन में देश के वरिष्ठ कवि-कवयित्रियों - श्री राज हीरामन, श्री धनराज शम्भु, श्री विष्णुदत्त मधु, श्री परमेश्वर बिहारी, श्री इन्द्रदेव भोला, डॉ. सरिता बुधु, श्री विनय दसोई, पं. कालका, श्री सूर्यदेव सिबोरत, श्रीमती अंजु घरभरन, डॉ. नूतन पांडेय व श्रीमती सीता रामयाद ने अपनी रचनाएँ सुनाईं। सृजनधारा के उत्तराधिकारी के रूप में नवोदित रचनाकारों - श्री वशिष्ठ झमन, श्रीमती लक्ष्मी जयपोल झापेरमाल व श्रीमती मेधाविनी रसिक ने भी अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

समारोह के आरंभ में सभा के प्रधान श्री यंतुदेव बुधु ने श्री रामदेव धुरन्धर सहित अन्य लेखकों, महानुभावों, शिक्षकों व छात्रों का स्वागत किया तथा समापन में सभा के सचिव श्री धनराज शम्भु द्वारा धन्यवाद ज्ञापन हुआ।

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

भारत-मॉरीशस मैत्री कवि सम्मेलन व विचार गोष्ठी

7 जून, 2016 को ग्राण्ड होटल, आगरा में भारत-मॉरीशस मैत्री कवि सम्मेलन व विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय हिंदी संस्थान के निदेशक प्रो. नन्द किशोर पांडेय उपस्थित थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता आगरा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज रावत द्वारा की गई। समारोह में श्री अशोक श्रीवास्तव, श्री अजीत दूबे और डॉ. चंद्रमणि ब्रह्मदत्त, श्री अजीत सिंह और श्री डी. के. सिंह, श्री शम्भुनाथ चौबे आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। यह कवि सम्मेलन साहित्यिक-सांस्कृतिक विनिमय हेतु आयोजित किया गया जिसमें मॉरीशस से महात्मा गांधी संस्थान में हिंदी, सृजनात्मक लेखन व भोजपुरी अध्ययन विभाग में कार्यरत सुश्री अंजलि चिंतामणि, डॉ. हेमराज सुन्दर और श्री अरविन्द बिसेसर तथा सार्वजनिक प्रसारण केंद्र एम.बी.सी. में कार्यरत श्री रीतेश मोहाबीर, श्री अभी उदय और सुश्री अशिता रघु विशेष रूप से उपस्थित हुए। भारत से डॉ. चंद्रमणि ब्रह्मदत्त, रुचि चतुर्वेदी, जयशंकर प्रसाद द्विवेदी, विनय विनम्र तथा अनूप पांडेय ने अपनी कविताओं द्वारा दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में दोनों देशों की बड़ी हस्तियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन भोजपुरी कवि श्री मनोज भावुक ने किया।

साभार : जोगिरा.कॉम

मॉरीशस की भोजपुरी लोक कथाओं का जापानी अनुवाद

जापान के तोक्यो विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के शोध केंद्र द्वारा इस वर्ष हिंद महासागर में स्थित देशों की लोक कथाओं पर शोध किया गया। केंद्र ने अपने शोध के लिए मॉरीशस की भोजपुरी लोक कथाओं को चुना जिसका जापानी अनुवाद प्रकाशित किया गया। इस कार्य के लिए अप्रैल महीने में जापानी केंद्र से प्रो. जूनिची ओदा की टोली मॉरीशस पहुँची। भारतीय आप्रवासी समाज की इस अनमोल भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को विश्वव्यापी बनाने की योजना में महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के भोजपुरी विभाग ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। भोजपुरी विभाग के श्री अरविंद बिसेसर तथा हिंदी विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती संध्या नवसाह व सुश्री अंजलि चिंतामणि ने मॉरीशस की भोजपुरी लोक कथाओं का संकलन किया तथा भोजपुरी लेखक श्री शशि सोहोदेब के सहयोग से उसका अंग्रेज़ी अनुवाद भी किया गया। इस संकलन की यह विशेषता रही कि लोक कथाओं को रोमन तथा देवनागरी लिपि में भी प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात प्रो. ओदा की टोली द्वारा इस संकलन का जापानी अनुवाद किया गया। हिंद महासागर की लोक कथाओं की संवेदनाओं का स्वाद अब जापानी पाठक समाज से साझा हो पाएगा। इस कार्य के उपरांत महात्मा गांधी संस्थान द्वारा लोक कथाओं का अनुवाद अब चीनी भाषा में भी करने की योजना है जो इसी वर्ष पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

आभार : श्री अरविंद बिसेसर

थाईलैंड में विश्व वात्सल्य मंच की वार्षिक गोष्ठी

29 मई, 2016 को सेंटारा ग्रैन्ड बीच रिसॉर्ट, क्राबी, थाईलैंड में विश्व वात्सल्य मंच की वार्षिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता श्री मदन देवी पोकरणा ने की। श्री विनोद अग्रवाल मुख्य अतिथि तथा श्री भीकमचंद पोकरणा और श्रीमती संपत देवी मुरारका विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन थे। समारोह के दौरान सभी ने अपने-अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए। इस अवसर पर श्रीमती संपत देवी मुरारका को सम्मानित भी किया गया। समारोह का संचालन राजेश मुरारका ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन गीता अग्रवाल ने किया।

आभार: श्रीमती संपत देवी मुरारका

आगरा में 'शब्द सारांश' वार्षिकोत्सव

10 अप्रैल 2016 को आगरा की प्रसिद्ध साहित्य एवं सामाजिक संस्था 'शब्द सारांश' का द्वितीय वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ देहदानी डॉ. रामावतार शर्मा, तहसीलदार एवं साहित्यकार राकेश त्यागी, डॉ. राजेन्द्र मिलन एवं डॉ. अमी आधार ने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजेन्द्र मिलन ने की। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में संस्था अध्यक्ष सपना मांगलिक द्वारा संपादित कहानी संग्रह 'बोन्साई' का लोकार्पण किया गया। समारोह में डॉ. अमी आधार, डॉ. राजेन्द्र मिलन, प्रकाशक पवन जैन और संभली से आए राकेश त्यागी ने भी पुस्तकों के संदर्भ में अपने विचार रखे। राकेश त्यागी ने कहा कि 'शब्द सारांश' साहित्य संस्था नए लेखकों को लेखन के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए प्रति वर्ष साझा संकलनों का प्रकाशन कर अपने नाम और काम को सार्थक कर रही है जो कि सराहनीय है। द्वितीय सत्र में मेरठ से आयीं गायिका और संचालक डॉ. शुभम त्यागी एवं राकेश त्यागी का 'शब्द सारांश' द्वारा सम्मान किया गया और सन्मति पब्लिशिंग हाउस और आगमन साहित्य परिषद् प्रमुख पवन जैन ने आगरा के प्रसिद्ध समाज सेवी एवं देहदानी डॉ. रामावतार शर्मा को 'लाइफ़ टाइम अचीवमेंट सम्मान' से विभूषित किया। कार्यक्रम के तृतीय सत्र में रंगारंग काव्य गोष्ठी हुई। जबलपुर से आए व्यंग्य के महारथी नरेंद्र शर्मा, मेरठ की गायिका शुभम त्यागी, अशोक रावत, हरिमोहन कोठिया, त्रिमोहन तरल, सुनीत शर्मा ने ग़ज़लों, गीतों, कविता और पैरोडी से समाँ बाँध दिया। डॉ. भावना मेहरा, जी. पी. मौर्य, राकेश निर्मल, सलीम साहब, रति शर्मा, श्रुति सिन्हा, कबीर, सुनीता सिंह, निवेदिता धनगर, कांची सिंघल, डॉ. शेषपाल सिंह 'शेष', राजबहादुर राज इत्यादि ने भी कविता पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन गायिका डॉ. शुभम त्यागी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संस्था की उपाध्यक्षा श्रुति सिन्हा ने किया।

सपना मांगलिक की रिपोर्ट

आनन्दपुर में भाषायी एकता सम्मेलन का आयोजन

23-24 अप्रैल, 2016 को श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, आनन्दपुर में अहिंदी भाषी हिंदी लेखक संघ द्वारा श्री सुरजीत सिंह जोबन के संयोजन में दो दिवसीय अंतरराज्यीय भाषायी एकता सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा उपस्थित थे। सम्मेलन में देश के 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 100 हिंदी विद्वानों और साहित्यकारों ने भाग लेकर भाषायी एकता को सशक्त करने का आवाहन किया। इसके अतिरिक्त श्री गुरु गोविन्द सिंह के साहित्य पर चर्चा, सर्व भाषा कवि सम्मेलन और दिल्ली से प्रकाशित 'अखंड भारत' तथा पटियाला से प्रकाशित 'साहित्य कलश' पत्रिकाओं के नवीनतम अंकों का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन के समानांतर दिल्ली के श्री किशोर श्रीवास्तव कृत जन चेतना कार्टून पोस्टर प्रदर्शनी 'खरी-खरी' भी लगाई गई। सम्मेलन में आयोजित काव्य सत्र में श्री सागर सूद एवं श्रीमती प्रियंका सोनी के संयुक्त संचालन में सर्वश्री रमेश कटारिया, आशा पाण्डे ओझा, प्रतिभा माही, नेहा इलाहाबादी, पारस, श्याम स्नेही, अरविन्द योगी, कफ़ील अहमद अंसारी, शकुंतला राघव, डॉ. ललिता बी. जोगड़, डॉ. सुरीन्द्र कौर, सुरीन्द्र खरे कमल और किशोर श्रीवास्तव आदि द्वारा काव्य पाठ हुआ। अंत में संस्था द्वारा कई प्रतिभासंपन्न लोगों को उनके साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

शशि श्रीवास्तव की रिपोर्ट

हैदराबाद में 'गीत चांदनी' की कवि गोष्ठी आयोजित

27 अप्रैल, 2016 को 'गीत चांदनी' संस्था, हैदराबाद द्वारा एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. कुमुद बाला ने की तथा संचालन गोविंद बक्षय ने किया। गोष्ठी के दौरान हैदराबाद हिंदी प्रचार सभा से प्रकाशित होनेवाली 'विवरण' पत्रिका के अप्रैल अंक में प्रकाशित सामग्री का मूल्यांकन उपस्थित साहित्यकारों द्वारा किया गया। कवि गोष्ठी में कुंज बिहारी गुप्ता, डी.एम. देशमुख, उमेशचंद्र श्रीवास्तव, दिनेश अग्रवाल, सत्यनारायण काकड़ा, देवा प्रसाद मयला, दयाकृष्ण गोयल, रत्नकला मिश्र, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, एस.के. जैन लौंगपुरिया आदि ने काव्य पाठ किया।

साभार : स्वतंत्रवार्ता.कॉम

'वित्तीय क्षेत्र में हिंदी' पर इन्दौर में राष्ट्रीय संगोष्ठी

3 अप्रैल, 2016 को जैन दिवाकर महाविद्यालय, इन्दौर में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास व भारतीय भाषा मंच द्वारा 'वित्तीय क्षेत्र में हिंदी' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रथम चर्चा सत्र की अध्यक्षता वैश्विक हिंदी सम्मेलन के निदेशक डॉ. एम. एल. गुप्ता 'आदित्य' ने की तथा डॉ. जवाहर कर्नावट प्रमुख वक्ता रहे। भारतीय भाषा मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री वृषभ प्रसाद जैन ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए गंभीर प्रयासों पर ज़ोर दिया। समारोह में शिक्षा जगत की अनेक महत्वपूर्ण हस्तियों के साथ-साथ मुख्य आयकर आयुक्त, विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों ने भाग लिया।

साभार : वैश्विक हिंदी सम्मेलन, मुंबई

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा असम में हिंदी साहित्य सम्मेलन

7-8 मई, 2016 को तेजपुर, असम में पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा संस्था के प्रथम अधिवेशन के उपलक्ष्य में हिंदी साहित्य सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय जुटाव का संयोजन श्रीमती रीता सिंह द्वारा हुआ। सम्मेलन के प्रथम दिवस में उद्घाटन सत्र के साथ ही एक बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। अवसर पर आईटीबीपी के कमांडेंट व कवि श्री आर. एस. राणा, प्रसिद्ध हिंदी सेवी श्री सुदामा आचार्य तथा 'साहित्य त्रिवेणी' के संपादक डॉ. कुंवर वीर सिंह मार्तण्ड विशिष्ट अतिथि रहे। अकादमी के अध्यक्ष श्री नथमल टीबड़ेवाला ने अध्यक्षता की। अन्य सत्रों में कई विद्वानों ने अपनी रचनाएँ व विचार प्रस्तुत किए।

अधिवेशन के अगले दिन भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के उप-महानिरीक्षक श्री अशोक कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने दिल्ली के श्री किशोर श्रीवास्तव द्वारा रचित कार्टून पोस्टर प्रदर्शनी 'खरी-खरी' का उद्घाटन किया। यह श्रीवास्तव जी का 30 वर्ष लम्बा जन चेतना अभियान है।

समापन सत्र में मंचस्थ अतिथियों द्वारा विचाराभिव्यक्ति के अतिरिक्त श्रीमती प्रतिभा माही के बाल संग्रह 'चंदामामा आओ न', श्रीमती लक्ष्मी चंद्र सिंह की पुस्तक 'मिट्टी की छाया' एवं श्रीमती मीना कुमारी राय की पुस्तक 'प्रभाती प्रखीर विननी' का लोकार्पण भी हुआ। अधिवेशन के अंत में विभिन्न प्रतिभागियों को साहित्यिक, सामाजिक व सांस्कृतिक क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मंच संचालन प्रो. अंजलि शर्मा ने किया।

श्री शशि श्रीवास्तव की रिपोर्ट

रेणु ग्राम, औराही हिंगना में दो दिवसीय संगोष्ठी

11-12 अप्रैल, 2016 को प्रख्यात साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु के 'रेणु ग्राम, औराही हिंगना', बिहार में 'देशज अस्मिता और रेणु साहित्य' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अवसर पर साहित्यकार श्रीमती सिनीवाली शर्मा की पुस्तक 'हंस अकेला रोया' का विमोचन प्रख्यात साहित्यकार श्री अब्दुल बिस्मिल्लाह, प्रसिद्ध आलोचक श्री बजरंग बिहारी तिवारी तथा प्रो. ईयान द्वारा संपन्न हुआ। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए शोधार्थियों के साथ-साथ देश और विदेश के कई पत्रकारों और साहित्यकारों ने भाग लिया।

साभार : मोकामा ऑनलाइन.कॉम

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवनारायण शर्मा के सम्मान में गोष्ठी का आयोजन

18 अप्रैल, 2016 को रेलवे ऑफ़िसर्स क्लब, नई दिल्ली में युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच के तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी के तहत कवि समागम का आयोजन किया गया। गोष्ठी का यह अप्रैल संस्करण हिंदी के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवनारायण शर्मा के सम्मान में आयोजित हुआ। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती लता यादव ने की तथा 'नवंकुर साहित्य सभा' के अध्यक्ष श्री अशोक कश्यप, 'हमारा मेट्रो' के साहित्य संपादक श्री लाल बिहारी लाल, गीतकार सुश्री मीरा शलभ, ग़ज़लकार प्रो. रमेश सिद्धार्थ, श्री श्याम नंदा नूर एवं 'टू मीडिया' की उप संपादक डॉ. पुष्पा जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उक्त अवसर पर युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच के अध्यक्ष श्री रामकिशोर उपाध्याय एवं उपस्थित विशिष्ट अतिथियों द्वारा डॉ. शर्मा को सम्मानित किया गया। समारोह में श्री लाल बिहारी लाल भी उपस्थित थे जिनकी भोजपुरी कविता 'क्रांति' हाल में बी. आर. अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम एवं नालंदा ओपन विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सम्मिलित की गई है। उनकी इस उपलब्धि के लिए उन्हें भी इस अवसर पर मंच द्वारा सम्मानित किया गया।

इस आयोजन में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं दिल्ली के आसपास के अनेक कवियों व कवयित्रियों ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का संयोजन श्री ओम प्रकाश शुक्ल ने तथा मंच संचालन श्री श्वेताभ पाठक ने किया।

साभार : हिंदीमीडिया.इन

जोहान्सबर्ग में श्री विनय सिंह की पुस्तक 'किसी और देश में' का लोकार्पण

26 अप्रैल, 2016 को भारतीय महावाणिज्य दूतावास, जोहान्सबर्ग में श्री विनय सिंह द्वारा लिखित लघुकथाओं और कहानियों की पुस्तक 'किसी और देश में' का विमोचन दक्षिण अफ्रीका में भारत के प्रधान कौंसल महामहिम श्री रणधीर जायसवाल के हाथों संपन्न हुआ। उन्होंने इस पुस्तक तथा लेखक की सराहना करते हुए रेखांकित किया कि ऐसे बहुत कम अवसर आते हैं जब भारत से बाहर कार्यरत अधिकारी अपनी राजभाषा हिंदी में कोई पुस्तक लिखकर उसका प्रकाशन करवाते हैं। समारोह में कौंसल श्री धीरज कत्याल, हिंदी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ्रीका के श्री वीरजानंद गरीब और विभिन्न संस्थाओं और हिंदी साहित्य से जुड़े अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

साभार : हिंदी खबर, हिंदी शिक्षा संघ, जोहान्सबर्ग का सूचनापत्र (अंक अप्रैल 2016)

डॉ. पूनम माटिया कृत 'अभी तो सागर शेष है' का लोकार्पण

12 मार्च, 2016 को हिंदी भवन, नई दिल्ली में अमृत प्रकाशन एवं सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के संयुक्त तत्वावधान में सुप्रसिद्ध कवयित्री डॉ. पूनम माटिया के तृतीय काव्य-संग्रह 'अभी तो सागर शेष है' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि श्री बालस्वरूप राही ने की । समारोह में राष्ट्रीय कवि श्री देवेन्द्र आर्य, वरिष्ठ गीतकार श्री जयसिंह आर्य तथा श्री वीर सैन सरल विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि एवं आकाशवाणी के पूर्व उपमहानिदेशक डॉ. लक्ष्मीशंकर बाजपेयी, लब्ध प्रतिष्ठ कवयित्री डॉ. कीर्ति काले, वरिष्ठ लेखिका व 'विधि-भारती साहित्य' पत्रिका की संपादक श्रीमती संतोष खन्ना, श्री मंगल नसीम आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। समारोह का संचालन श्री प्रेम भारद्वाज 'ज्ञानभिक्षु' ने किया।

डॉ. पूनम माटिया की रिपोर्ट

'लव साइड बाई साइड' के हिंदी अनुवाद 'हम हैं राही प्यार के' का विमोचन

30 अप्रैल, 2016 को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री माननीय अखिलेश यादव द्वारा आई. ए. एस. अफ़सर, पार्थ सारथी सेन शर्मा के बहुचर्चित अंग्रेज़ी उपन्यास 'लव साइड बाई साइड' के हिंदी रूपांतर 'हम हैं राही प्यार के' का विमोचन किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध शायर वसीम बरेलवी ने की तथा कन्नौज की सांसद डिम्पल यादव विशेष अतिथि रहीं।

'हम हैं राही प्यार के' पुस्तक 1990 के दशक के भारतीय समाज की झलक दिखाने के साथ-साथ यह भी बताती है कि कभी-कभी बहुत सोच-समझकर बनाई गई योजना की असफलता जीवन की सबसे खूबसूरत घटना बन जाती है। प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित हिंदी रूपांतर श्वेता भट्ट द्वारा किया गया है।

माननीय अखिलेश यादव ने पुस्तक को एक कड़क अफ़सर द्वारा लिखित नरम रचना बताते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि यह किताब एक सफ़रनामा है। एक माँ अपनी बेटी की शादी के लिए एक बेटा ढूँढ रही है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि हिंदी अनुवाद के माध्यम से 'हम हैं राही प्यार के' आम आदमी तक पहुँचेगी।

समारोह में अनेक साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

स्रोत : आज तक तथा न्यूज़ट्रैक.कॉम

डॉ. अरुण भगत द्वारा संपादित चार पुस्तकों का लोकार्पण

22 अप्रैल, 2016 को राष्ट्रीय छात्र शक्ति भवन, नई दिल्ली में हिंदी के वरिष्ठ पत्रकार एवं रचनाकार डॉ. अरुण भगत द्वारा संपादित 4 पुस्तकों 'अटल बिहारी वाजपेयी की काव्य चेतना', 'डॉ. देवेन्द्र दीपक के संपादकीय', 'आपातकाल की प्रतिनिधि कविताएँ' तथा 'हिंदी के विकास में पत्रकारिता' का लोकार्पण किया गया। चारों रचनाएँ पुष्पांजलि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय समन्वयन सचिव श्री सुनील आंबेकर मुख्य अतिथि रहे तथा गुजरात के राज्यपाल महामहिम ओमप्रकाश कोहली एवं निराला सृजन पीठ (भोपाल) के अध्यक्ष, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवेन्द्र दीपक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने वक्तव्य में श्री आंबेकर ने मुख्यत: साहित्य तथा विचारों की सार्थकता पर प्रकाश डाला।

स्रोत : नवभारत टाइम्स

श्री रमेश यादव की कृतियों – 'लोकरंग' और 'शाहिरीनामा' का लोकार्पण

30 अप्रैल, 2016 को मिनी थिएटर प्रभादेवी, दादर, मुम्बई में आसरा मुक्तांगन और सार्थक नव्या के संयुक्त तत्वावधान में साहित्यकार एवं स्वतंत्र पत्रकार श्री रमेश यादव की 'लोकरंग' और 'शाहिरीनामा' पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मराठी के प्रसिद्ध व्यंग्य कवि एवं फिल्म निर्माता, निर्देशक श्री रामदास फुटाणे रहे तथा अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार व संपादक विश्वनाथ सचदेव ने की। कार्यक्रम के अंतर्गत कहानीकार सुधा अरोड़ा, प्रो. वंदना शर्मा, वसुधा सहस्त्रबुद्धे, मोनिका ठक्कर और निर्मला जोशी ने रचनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। लोकार्पण के पश्चात प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा 'महाराष्ट्र की लोक परंपरा' नामक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। समारोह में कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। मंच संचालन अभिनेत्री एवं कवयित्री रेखा बब्बल ने तथा आभार ज्ञापन अभिनेता रवि यादव ने किया।

श्री रमेश यादव की रिपोर्ट

'विश्व हिंदी यात्रा' का विमोचन

7, अप्रैल, 2016 को राजभवन सभागार, पटना में श्री जियालाल आर्य की पुस्तक 'विश्व हिंदी यात्रा' का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द ने पुस्तक लोकार्पण से पूर्व अपने वक्तव्य में हिंदी की समन्वयी प्रकृति तथा राष्ट्रीय एकता पर बल दिया जो उनके शब्दों में 'भाषायी सद्भाव एवं गरिमा से हमें जोड़ती है'। समारोह में न्यायमूर्ति से. नि. श्री राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. उषा किरण खान, डॉ. कलानाथ मिश्र, डॉ. किरण घई, डॉ. आर. यू. सिंह, डॉ. रासबिहारी प्रसाद सिंह, श्री आशीष कुमार आदि उपस्थित थे। संचालन डॉ. शिवनारायण ने किया।

साभार : डेली हंट.इन

'शब्द गंगा' एवं 'शब्द अनुराग' का लोकार्पण तथा काव्य समागम

17 अप्रैल, 2016 को हिंदी भवन, दिल्ली में टीम कवि हम-तुम द्वारा दो संग्रहों 'शब्द गंगा' एवं 'शब्द अनुराग' के लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निशा नंदिनी गुप्ता रहीं तथा अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार श्री अशोक वर्मा ने की। साथ-साथ कई रचनाकारों को सम्मानित किया गया तथा काव्य परंपरा के प्रमुख हस्ताक्षरों द्वारा काव्य पाठ भी हुआ। समारोह में वरिष्ठ कवि पूर्णचंद, प्रसिद्ध हास्य कवि सुरेश फक्कड़, प्रबुद्ध कवि एवं साहित्यकार श्याम स्नेही, डॉ. लक्ष्मण सिंह, श्री हरीश कुमार, कवि हम-तुम के संस्थापक श्री बादल चौधरी तथा अनेक उदीयमान रचनाकारों की उपस्थिति रही। मंच संचालन प्रसिद्ध कवि सुजीत शौकीन ने किया।

आभार : श्री विजय कुमार सिंघल – जय विजय पत्रिका (अंक 8, मई 2016)

श्रीमती अलका सिंह की पुस्तक 'बिखरने से बचाया जाए' का लोकार्पण

07 मई, 2016 को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, दिल्ली में नया मीडिया मंच और प्रवक्ता डॉट कॉम के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमती अलका सिंह के काव्य संग्रह 'बिखरने से बचाया जाए' का लोकार्पण प्रख्यात साहित्यकार एवं आलोचक डॉ. नामवर सिंह द्वारा किया गया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में डॉ. नामवर सिंह ने कहा कि *"यह अनूठा काव्य संग्रह है तथा यह पुस्तक उम्मीद जगाती है कि कविता, गज़लें और मुक्तक को आनेवाली पीढ़ी जीवित रखेगी।"* कार्यक्रम में समीक्षक श्री अनंत विजय, कवयित्री डॉ. अनामिका, डॉ. अमर नाथ अमर आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के सहायक प्रो. सौरभ मालवीय ने किया। समारोह में साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियाँ उपस्थित थीं।

साभार : वेबदुनिया

तरुण मुनि की पुस्तकों का विमोचन

27 अप्रैल, 2016 को शिवाजी स्टेडियम, पानीपत, हरियाणा में तरुण मुनि द्वारा रचित 'जीओ और जीने दो' तथा 'कड़वे प्रवचन' का विमोचन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री, श्री मनोहर लाल खट्टर ने कृतियों के लोकार्पण से पूर्व अपने वक्तव्य में कहा कि *"इन पुस्तकों में समाज के उत्थान और नवनिर्माण का भाव निहित है।"* समारोह में कई हिंदी प्रेमी उपस्थित थे।

साभार : दैनिक ट्रिब्यून

'उजाले का सफ़र' का लोकार्पण तथा काव्य गोष्ठी

20 मई, 2016 को मधेपुर में डॉ. सिद्धेश्वर कश्यप द्वारा रचित 'उजाले का सफ़र' पुस्तक का लोकार्पण किया गया तथा अवसर पर एक काव्य गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. रामेन्द्र कुमार रवि व डॉ. रेणु सिंह ने प्रो. इन्द्रनारायण यादव की अध्यक्षता में रचना का लोकार्पण किया। डॉ. प्रवीण, राजन बालन, रश्मि, प्रीति, सियाराम मयंक, डॉ. आलोक विकास व कृष्ण मुरारी, आदि ने पुस्तक पर अपने विचार व्यक्त करने के उपरांत कविता पाठ भी किया। कार्यक्रम में डॉ. सीताराम शर्मा, रामकृष्ण यादव, प्रो. रीता यादव व सुनील, रंगकर्मी विकास कुमार समेत अन्य साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। मंच संचालन डॉ. विनय कुमार चौधरी ने किया।

साभार : जागरण.कॉम

डॉ. इन्द्रदेव भोला इंद्रनाथ के कहानी-संग्रह 'बाबा, मनकी आँखें खोल' का लोकार्पण

25 जून, 2016 को आर्य सभा, मॉरीशस में हिंदी लेखक संघ के तत्वावधान में स्थानीय लेखक डॉ. इन्द्रदेव भोला इंद्रनाथ के कहानी-संग्रह 'बाबा, मन की आँखें खोल' का लोकार्पण किया गया। यह लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि विश्व हिंदी सचिवालय के महासचिव, डॉ. विनोद कुमार मिश्र तथा मॉरीशस के सुप्रसिद्ध कथाकार श्री रामदेव धुरंधर के हाथों हुआ।

समारोह के आरंभ में संघ के प्रधान, डॉ. लालदेव अंचराज ने स्वागत वक्तव्य दिया तथा पुस्तक की तथ्यपरक चर्चा की। तदोपरांत मुख्य अतिथि ने मॉरीशस और भारत के साहित्यकारों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। संघ की सदस्या श्रीमती बिद्वन्ती अजोद्या-तिलक ने हिंदी साहित्य पर बात की तथा श्री धुरंधर ने भोला जी की पुस्तक पर अपने समीक्षात्मक विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी रचना में परिपक्वता है।

समारोह में लोकार्पण के साथ-साथ हिंदी लेखक संघ द्वारा प्रकाशित एक अन्य पुस्तक 'हमारे पूर्वज और उनकी सांस्कृतिक विरासत' पर भोजपुरी स्पीकिंग यूनियन की अध्यक्षा, डॉ सरिता बुधु ने अपने वक्तव्य के दौरान पुस्तक का प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने इस पुस्तक के प्रकाशन की अनिवार्यता पर बल देते हुए कहा कि अन्य भाषाओं में ऐसे प्रकाशन हो चुके हैं, केवल हिंदी में ऐसी पुस्तकों का अभाव था।

इस अवसर पर डॉ. विनोद कुमार मिश्र, श्री रामदेव धुरन्धर, डॉ. इन्द्रदेव भोला तथा श्री विष्णुदत्त मधु जी को सम्मानित भी किया गया। मंच संचालन श्रीमती बिदवन्ती अजोद्या-तिलक ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विदूर दिलचन्द ने किया।

आभार : डॉ. इन्द्रदेव भोला इंद्रनाथ

गोइन्का पुरस्कार एवं सम्मान समारोह

10 अप्रैल, 2016 को कमला गोइन्का फाउण्डेशन द्वारा 'भारतीय विद्या भवन', बेंगलूरु में गोइन्का पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' के अध्यक्ष डॉ. ए. एस. किरण कुमार थे। अवसर पर कमला गोइन्का फाउण्डेशन के प्रबन्ध न्यासी श्री श्यामसुन्दर गोइन्का ने स्वागत भाषण देते हुए संस्था का संक्षिप्त परिचय दिया।

दक्षिण भारत के प्रसिद्ध पत्रकार एवं 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह' के प्रमुख संपादक श्रीयुत श्रीकांत पाराशर की अध्यक्षता में संपन्न इस समारोह में उडुपी की सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. माधवी भंडारी को उनकी अनुसृजित कृति 'खुदी को किया बुलंद' के लिए 'पिताश्री गोपीराम गोइन्का हिंदी-कन्नड़ अनुवाद पुरस्कार' तथा हैदराबाद के श्री विजय कुमार सप्पत्ति को उनकी मूल हिंदी कृति 'एक थी माया' के लिए 'बाबूलाल गोइन्का हिंदी साहित्य पुरस्कार' प्रदान किया गया। साथ ही दक्षिण भारत की वरिष्ठ हिंदी सेवी सुश्री शांताबाई को 'गोइन्का हिंदी साहित्य सम्मान' तथा साहित्येतर क्षेत्र के लिए सिरमौर के प्रतिष्ठित नेत्र-विशेषज्ञ डॉ. नरपत सोलंकी को 'दक्षिण ध्वजधारी सम्मान' से

विभूषित किया गया। समारोह का संचालन डॉ. आदित्य शुक्ल ने किया।

समारोह के अंत में एक हास्य कवि-सम्मेलन का भी आयोजन किया गया जिसमें कवि श्री सुभाष काबरा सहित श्री महेश दूबे, श्री श्याम गोइन्का, श्री घनश्याम अग्रवाल तथा कवयित्री सुमिता केशवा ने अपनी कविताओं से बेंगलूरु के साहित्य-रसिकों को मंत्र-मुग्ध किया।

साभार : कमला गोइन्का फाउण्डेशन

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम व कुंवर बेचैन पर आधारित 27वां अंतरराष्ट्रीय समारोह

8 अप्रैल, 2016 को उर्दू साहित्य अवार्ड कमिटी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय समारोह का उद्घाटन संत गाडगे प्रेक्षागृह में संपन्न हुआ। समारोह का यह 27वाँ संस्करण एक चार दिवसीय कार्यक्रम के रूप में हुआ जो डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम व गीतकार कुंवर बेचैन पर आधारित रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री राम नाईक ने प्रख्यात साहित्यकार एवं गीतकार कुंवर बेचैन को 'निराला सम्मान' तथा मशहूर शायर मुन्नवर राना को 'निशान-ए-ग़ालिब सम्मान' से विभूषित किया।

साथ ही पूर्व आई.ए.एस. डॉ. योगेन्द्र नारायण, उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र इलाहाबाद के श्री गौरव कृष्ण बंसल, के.के. बिड़ला ग्रुप के श्री सुरेश ऋतुपर्ण, नेशनल बुक ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री बलदेव भाई शर्मा, पत्रकार श्री सर्वेश अस्थाना एवं श्री सागर त्रिपाठी को 'साहित्य शिरोमणि अवार्ड' प्रदत्त किया गया।

उर्दू की सेवा के लिए ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. खान मसूद अहमद सहित प्रो. सगीर इब्राहिम, डॉ. ज़ुबैर फ़ारुख, अंबर बहराईची, डॉ. माजिद देवबंदी, मोहम्मद अहमद सबीह बुखारी, मोहम्मद हबीबुन नबी तथा डॉ. तारिक कमरख को 'उर्दू अदब सम्मान' से विभूषित किया गया।

मुरलीधर आहूजा एवं डॉ. नितिन सूद को उनकी अद्वितीय सेवा के लिए 'समाज सेवा सम्मान' तथा डॉ. हसन काज़मी, मो. खालिद व गौरव कृष्ण बंसल को उनकी पुस्तकों के लिए 'विशेष सम्मान' से सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने इस अवसर पर गौरव कृष्ण बंसल द्वारा रचित उपन्यास 'चबूतरा' तथा सुश्री शाहिदा सिद्दीकी के काव्य संग्रह 'लम्हा-लम्हा' का विमोचन भी किया।

हिंदी-उर्दू सम्मान समारोह के बाद आयोजित कवि सम्मेलन-मुशायरा से पूर्व राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ***''हिंदी सभी भाषाओं की बड़ी बहन है तथा हिंदी भाषा के बाद सबसे ज़्यादा उर्दू भाषा सभी प्रदेशों में बोली व समझी जाती है।''*** कवि सम्मेलन-मुशायरे में सागर त्रिपाठी ने मोहम्मद साहब पर नात-पाक व सरस्वती वंदना तथा मुन्नवर राना ने माँ और देश पर अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। समारोह में डॉ. अम्मार रिज़वी, सिराज मेहदी, डॉ. इर्तिजा करीम सहित उर्दू के अन्य प्रसिद्ध कवि और शायर भी उपस्थित रहे।

साभार : पत्रिका.कॉम

खटीमा में लोकार्पण समारोह तथा राष्ट्रीय दोहाकारों का सम्मान

10 अप्रैल 2016 को खटीमा, उत्तराखण्ड में साहित्य शारदा मंच द्वारा राष्ट्रीय दोहाकार सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता 'शैलसूत्र'पत्रिका की संपादक आशा शैली ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. गोविंद सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि खटीमा फ़ाइबर्स के प्रबंध निदेशक, डॉ. आर. सी. रस्तोगी, श्री अशोक खुराना, अचल शर्मा, राकेश सक्सेना तथा सुरेंद्र कौर थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, स्वागत गीत तथा आंचलिक लोकगीत व बांसुरी वादन से हुआ।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. रूपचंद्र शास्त्री 'मयंक' की पुस्तक 'कदम-कदम पर घास तथा खिली रूप की धूप' दोहा संग्रह का लोकार्पण किया गया। साथ ही दयाशंकर कुशवाहा, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद पाण्डेय, आशा शैली, शिवशंकर यजुर्वेदी व राकेश चक्र को राष्ट्रीय दोहाकार सम्मान तथा श्री राकेश कुमार सक्सेना, रेखा लोढ़ा स्मित, देवेंद्र चौहान, मनोज शर्मा, नवनीत राय 'रुचिर', महेश मनमीत, विनोद भृंग, अमन चाँदपुरी, हरि फ़ैज़ाबादी, रामेश्वर प्रसाद सारस्वत को दोहा शिरोमणि सम्मान, श्री भगवान मिश्र को शौर्य श्री सम्मान एवं अमन अग्रवाल 'मारवाड़ी' को ब्लॉग श्री सम्मान से विभूषित किया गया। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी नैनीताल के प्रो. डॉ. गोविन्द सिंह को अभिनन्दन पत्र से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में समारोह में आए दोहाकारों ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

कार्यक्रम के समापन समारोह में विगत वर्षों में संस्था व साहित्य से जुड़े रहे श्री घासी राम आर्य, श्रीमती श्यामवती देवी, डॉ. के. डी. पाण्डेय, श्री देवदत्त प्रसून, श्री केषव भार्गव, श्री अशोक भट्ट आदि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

उक्त अवसर पर देशभर के 25 साहित्यकारों ने भाग लिया व कई हिंदी प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्था के महासचिव डॉ. महेंद्र प्रताप पाण्डेय नंद ने किया।

साभार : उच्चारण ब्लॉग

श्रद्धांजलि

डॉ. ल्युदमिला सावेलयेवा

12 मई, 2016 को रूस में हिंदी व गुजराती भाषा की अध्यापिका डॉ. ल्युदमिला सावेलयेवा का निधन हो गया। रूस में हिंदी तथा गुजराती के शिक्षण व प्रसार के क्षेत्र में आपका योगदान सराहनीय व ऐतिहासिक है। स्नातक के बाद आपने लेनिनग्राद (संप्रति सींट पीटर्सबर्ग) के इंस्टिट्यूट ऑव ओरियंटल स्टडीज़ में काम करना आरंभ किया। बाद में आप रूस के छोटे शहर तरूसा में बस गईं जहाँ आपने इंडियन फ्रेंड्स क्लब की स्थापना की। यहाँ आपने भारतीय संस्कृति को उजागर करते हुए रूसी बच्चों को हिंदी सिखाई तथा उनको भारत से जुड़ी संस्कृति, लोक साहित्य तथा नृत्य से परिचित करवाया। आपके छात्रों ने रामायण पर आधारित पात्रों तथा कालिदास कृत 'शकुंतला' पर आधारित प्रस्तुतियों के अंतर्गत अपनी अभिनय कला का प्रदर्शन किया। आपका संपूर्ण जीवन भारत तथा रूस के संबंधों को और घनिष्ठ बनाने में बीता। गुजराती भाषा में अपनी निपुणता के कारण आपको सन् 1974 में रादुगा प्रकाशन गृह में काम करने के लिए मास्को आमंत्रित किया गया। आपने 1965 में रूस वासियों के लिए गुजराती पाठ्यपुस्तक प्रकाशित करवाई। आपके द्वारा रूसी कृतियों का गुजराती अनुवाद तथा कई गुजराती उपन्यासों व कविताओं का रूसी अनुवाद विशेष उल्लेखनीय है।

साभार : रशियन स्टेट युनिवर्सिटी ऑफ़ युमानिटीज़ फ़ेसबुक पृष्ठ

श्री सुभाष चंद्र गुप्त 'मुद्राराक्षस'

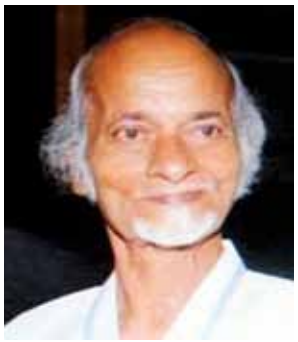

13 जून, 2016 को हिंदी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री सुभाष चंद्र गुप्त 'मुद्राराक्षस' का 82 वर्ष की आयु में देहांत हो गया। आपने कहानी, कविता, उपन्यास, आलोचना, नाटक आदि विधाओं में तथा इतिहास, संस्कृति एवं समाज शास्त्रीय क्षेत्र में अपने लेखन से विशेष प्रसिद्धि पाई है। आपका जन्म 21 जून, 1933 को लखनऊ के बेहटा गांव में हुआ। 'युगसाक्षी' पत्रिका के संपादक, डॉ. देवराज ने आपको 'मुद्राराक्षस' नाम दिया। आप 15 सालों से भी अधिक समय तक आकाशवाणी में स्क्रिप्ट एडिटर और ड्रामा प्रोडक्शन ट्रेनिंग के मुख्य इंस्ट्रक्टर भी रहे। साहित्य के अलावा आप समाज और सियासत से भी जुड़े रहे। आप समय और समाज के अप्रतिम टिप्पणीकार रहे तथा संगीत और ललित कलाओं में भी सक्रिय रहे। साथ-साथ आप कई सामाजिक आंदोलनों से भी जुड़े रहे।

साहित्य की दुनिया में आप बेबाकी से अपनी बात कहनेवाले व्यक्ति के रूप में परिचित हैं। सांप्रदायिकता, जातिवाद, महिला उत्पीड़न जैसे गंभीर मुद्दों पर आपने ज्वलंत विचार व्यक्त किए। आपको 'साहित्य नाटक अकादमी पुरस्कार', विश्व शूद्र महासभा द्वारा 'शूद्राचार्य' और अंबेडकर महासभा द्वारा 'दलित रत्न' की उपाधियाँ प्राप्त हैं। आपकी 65 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। 'आला अफ़सर', 'कालातीत', 'नारकीय', 'दंडविधान', 'हस्तक्षेप' तथा 'सरला', 'बिल्लू और जाला' आपकी प्रमुख कृतियाँ हैं। आपने 'नयी सदी की पहचान' व 'श्रेष्ठ दलित कहानियाँ' आदि का संपादन भी किया। आपकी कई पुस्तकों का अंग्रेज़ी और अन्य भाषाओं में अनुवाद भी हुआ है। आपके निधन से समस्त साहित्य जगत शोक ग्रस्त है।

साभार : न्यूज़ट्रैक.कॉम तथा आईनेक्स्टलाइव जागरण.कॉम

श्री अनुप केशवदेव पुजारी

26 मई, 2016 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलसचिव श्री अनुप केशवदेव पुजारी का 56 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आपने 8 दिसंबर, 2006 से 18 फरवरी, 2009 तक विश्वविद्यालय में कुलसचिव के रूप में कार्यभार संभाला। आप यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक में प्लानिंग ऑफ़िसर, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुलबर्ग तथा डॉ. हरिसिंह गौड़ केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर में भी कुलसचिव का पद संभाल चुके हैं। आपके निधन पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की प्रमुख उपस्थिति में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में शोकसभा रखी गई जिसमें प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, संयुक्त कुलसचिव कादर नवाज़ ख़ान तथा अन्य अधिकारी व अध्यापकों ने उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

साभार: बी.एस. मिरगे, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा

विश्व हिंदी सचिवालय तथा समस्त हिंदी जगत की ओर से स्वर्गीय महानुभावों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

डॉ. महाश्वेता चतुर्वेदी का सम्मान एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'मन्दाकिनी' का लोकार्पण

11 जून, 2016 को साहित्य कला मंच, भारत द्वारा इनाल्को विश्वविद्यालय, पेरिस, फ्रांस में एक अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के अंतर्गत डॉ. महाश्वेता चतुर्वेदी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. महाश्वेता चतुर्वेदी के संपादन में प्रकाशित 'अंतरराष्ट्रीय पत्रिका मन्दाकिनी 2017' का लोकार्पण भी किया गया। उक्त कार्यक्रम के संयोजक एवं स्वागताध्यक्ष इनाल्को विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. घनश्याम शर्मा रहे तथा संस्थापक अध्यक्ष डॉ. महेश दिवाकर रहे।

डॉ. महाश्वेता चतुर्वेदी की रिपोर्ट

लिम्का बुक ऑव रिकॉर्ड्स में शामिल हुआ 'स्पोर्ट्स क्रीड़ा'

'स्पोर्ट्स क्रीड़ा' नामक स्पोर्ट्स टैब्लॉइड का नाम लिम्का बुक ऑव रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। लंदन ओलंपिक की पूर्व संध्या में प्रारंभ हुए इस समाचार पत्र की संपादक डॉ. स्मिता मिश्र हैं। आप भारत की प्रथम महिला संपादक बन गई हैं जो देश का प्रथम द्विभाषिक (हिंदी व अंग्रेज़ी) मासिक 'स्पोर्ट्स क्रीड़ा' नामक स्पोर्ट्स टैब्लॉइड का संपादन करती हैं। डॉ. स्मिता मिश्र श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में एसोसिएट प्रोफ़ेसर के रूप में कार्यरत हैं तथा दूरदर्शन एवं ऑल इंडिया रेडियो की स्पोर्ट्स कमेंटेटर भी हैं।

साभार : स्पोर्ट्स क्रीड़ा

धन्यवाद

श्री गंगाधरसिंह सुखलाल, कार्यवाहक महासचिव, विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस

विश्व हिंदी सचिवालय में श्री गंगाधरसिंह सुखलाल का कार्यकाल 26 जून, 2016 को समाप्त हो गया। श्री सुखलाल ने 8 नवंबर, 2010 को विश्व हिंदी सचिवालय में उप महासचिव का पदभार संभाला था। तत्पश्चात सचिवलाय के उतार-चढ़ाव में आपने कार्यवाहक महासचिव का पद ग्रहण कर सचिवालय के कार्यों को आगे बढ़ाया।

अपने लगभग छ: वर्षीय कार्यकाल के अंतर्गत आपने स्थापित गतिविधियों के साथ-साथ नई योजनाओं को भी पल्लवित किया और उनको साकार करने में ऊर्जा पुँज का काम भी किया। आपने सचिवालय के क्रमिक विकास को अपने हाथों से सींचा जिसके फलस्वरूप आज सचिवालय विश्व भर में ख्यातिलब्ध संस्था बन चुकी है। मॉरीशस से लेकर भारत, दक्षिण अफ्रीका, यूरोप, अमेरिका व प्रवासी देशों तक सचिवालय को पहुँचाने में आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

आप हिंदी सेवी नहीं बल्कि हिंदी सैनिक हैं...

संघर्ष के दौरान एक ओर जहाँ आपने विरोधियों को रचनात्मक जवाब दिया, वहीं दूसरी ओर आपने नई पीढ़ी को सैनिक बनने के लिए न केवल प्रोत्साहित किया बल्कि तैयार भी किया ... नए दृष्टिकोण और नए औज़ारों के साथ।

इस कार्य के लिए आपकी विचारधारा कुछ अलग ही थी। साहित्य व इतिहास, परम्परागत विचारधाराओं की बेड़ियों में जकड़ी हिंदी जहाँ तक आकर सीमित हो जातीं वहीं से उन बेड़ियों को तोड़कर हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ तक पहुँचाने के लिए नई विचारधारा के साथ आप आगे बढ़े। आपने सूचना संचार प्रौद्योगिकी जैसे सशक्त औज़ार को भी माध्यम बनाया। आपके साथ आगे बढ़ा सचिवालय का पूरा परिवार और पूरा हिंदी जगत।

इतने वर्षों में आपके नेतृत्व में 6 विश्व हिंदी दिवस, 6 आधिकारिक कार्यारंभ दिवस, छ: विश्व हिंदी पत्रिकाएँ, 23 विश्व हिंदी समाचार, 6 अंतरराष्ट्रीय हिंदी प्रतियोगिताएँ, दो विश्व हिंदी सम्मेलन, अनेक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में योगदान, दर्जनों वक्तव्य, अनगिनत गोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, सम्मेलन, साहित्यिक आयोजन आदि गतिविधियाँ हुईं। 6 वर्षों की यात्रा को एक पृष्ठ में समेट पाना शायद संभव न हो।

आपने विश्व हिंदी सचिवालय को नए दृष्टिकोण के साथ काम करना सिखाया। सचिवालय के कार्यों एवं गतिविधियों को नए आयाम दिए तथा एक स्वस्थ कार्यसंस्कृति का विकास हुआ। आपका संघर्ष सचिवालय तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उन देशों तक भी पहुँचा जहाँ हिंदी को लेकर स्थिति अत्यन्त चिंताजनक है। हर पड़ाव पर हिंदी के हित में देश-विदेश की संस्थाओं व व्यक्तियों को आप सहयोग प्रदान करते रहे।

आप सचिवालय के साथ जबसे जुड़े, उसके कार्यों एवं गतिविधियों में वृद्धि हुई...संख्या में भी और गुणवत्ता में भी। सम्प्रति आप महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के हिंदी विभाग में वरिष्ठ व्याख्याता के रूप में कार्यरत हैं।

विश्व हिंदी सचिवालय व हिंदी जगत की ओर से श्री गंगाधरसिंह सुखलाल को हार्दिक धन्यवाद व भावी योजनाओं के लिए शुभकामनाएँ।

विश्व हिंदी सचिवालय

मुख्यालय निर्माण का आधिकारिक शुभारंभ – 2015

10वां विश्व हिंदी सम्मेलन – 2015

मॉरीशस में हिंदी व आई.सी.टी. कार्यशाला – 2014

दक्षिण अफ्रीका में हिंदी व आई.सी.टी. कार्यशाला – 2013

कार्यकारिणी बोर्ड की तृतीय बैठक – 2012

शासी परिषद की द्वितीय बैठक – 2011

न्यू यॉर्क में अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन – 2014

मॉरीशस में अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन – 2014

मॉरीशसीय हिंदी साहित्य शताब्दी समारोह – 2013

विश्व हिंदी दिवस – 2016

9वां विश्व हिंदी सम्मेलन – 2012

तोक्यो में द्वितीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन – 2012

महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस
'आप्रवासी साहित्य सृजन सम्मान' हेतु आवेदन आमंत्रित

महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस 'आप्रवासी साहित्य सृजन सम्मान 'प्रथम संस्करण' हेतु आप्रवासी देशों के नवोदित हिंदी लेखकों द्वारा आवेदन आमंत्रित करता है। (देखें विस्तृत नियम व शर्तें)

सम्मान

विजेता को 2000 अमेरिकी डॉलर/USD राशि के साथ सम्मान पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

आवेदन-प्रक्रिया

इच्छुक आवेदकों से निवेदन है कि :

- सम्मान योजना के लिए निर्धारित आवेदन पत्र भरकर भेजें। आवेदन पत्र संस्थान के वेबसाइट (www.mgirti.org) अथवा विश्व हिंदी सचिवालय के वेबसाइट (www.vishwahindi.com) से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा महात्मा गांधी संस्थान के स्वागत डेस्क से प्राप्त किया जा सकता है।
- आवेदन के साथ पुस्तकाकार में प्रकाशित अपनी एक हिंदी गद्य-रचना (कथा साहित्य अथवा अन्य) की चार हार्ड प्रतियाँ और एक सॉफ़्ट कॉपी भेजें। रचना का प्रकाशन वर्ष इस विज्ञप्ति की तिथि से तीन वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए।
- एक अतिरिक्त पृष्ठ पर अपने सभी प्रकाशनों की सूची दें जिसमें शीर्षक, विधाएँ, प्रकाशन तिथि, प्रकाशक एवं प्रकाशन स्थल का भी उल्लेख हो।

सम्मान के नियम एवं शर्तों, पात्रता के मानदण्ड और अन्य जानकारी हेतु संस्थान या सचिवालय के उपरोक्त वेबसाइट देखें अथवा संस्थान से फ़ोन +230 4032000/38, इमेल : directorgeneral@mgi.ac.mu अथवा डाक द्वारा संपर्क करें।

पूर्ण आवेदन पत्र, रचना की प्रतियाँ, उपरोक्त दस्तावेज़ सहित निम्नलिखित पते पर भेजें :

Director General - MGI & RTI,
Mahatma Gandhi Institute,
Moka, 80808, Mauritius

अंतिम तिथि : 9 सितंबर 2016, अपराह्न 4 बजे।

विशेष सूचना

- अंतिम तिथि के उपरान्त प्राप्त एवं अधूरे आवेदन पत्र स्वीकार्य नहीं होंगे।
- लिफ़ाफ़े के ऊपरी बायें कोने पर 'आप्रवासी साहित्य सृजन सम्मान' लिखा होना चाहिए।
- संस्थान का निर्णय अंतिम होगा। सुपात्र न मिलने पर संस्थान किसी भी आवेदक को सम्मान न देने का अधिकार रखता है।

5 जुलाई, 2016

'विश्व हिंदी पत्रिका 2016' के लिए शोध लेख आमंत्रित

विश्व हिंदी पत्रिका विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस की वार्षिक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका है जिसमें वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी की स्थिति, हिंदी का उद्भव और विकास, हिंदी के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान, हिंदी शिक्षण व अधिगम से संबंधित आवश्यक व मार्गदर्शक शोधपत्र प्रकाशित होते हैं। विश्व हिंदी पत्रिका के पूर्व अंक सचिवालय के वेबसाइट www.vishwahindi.com पर उपलब्ध हैं। पत्रिका के आगामी 7वें अंक के लिए सचिवालय विश्व भर के हिंदी विद्वानों/चिंतकों व शोधार्थियों द्वारा शोध आलेख आमंत्रित कर रहा है।

नियम व शर्तें:

- ***लेखों का शोधपरक होना अनिवार्य है। लेख के विषय ऐसे हों जो हिंदी के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय वर्चस्व से परिचय कराते हों; चाहे वह शिक्षा, साहित्य, संस्था, आंदोलन अथवा योजना-विशेष, सूचना-प्रौद्योगिकी, संचार माध्यम व ज्ञान-विज्ञान के किसी भी क्षेत्र में हो।***
- ***लेख लगभग 2500 शब्द संख्या का होना चाहिए।***
- ***संपादक मंडल द्वारा लेख स्वीकृत होने की स्थिति में मौलिक तथा अप्रकाशित लेखों के लिए विनम्र मानदेय होगा।***
- ***लेखक का संक्षिप्त परिचय, पासपोर्ट आकार फ़ोटो एवं लेख के मौलिक तथा अप्रकाशित होने का प्रमाण पत्र भी साथ भेजना अनिवार्य है।***
- ***अंतिम तिथि 30 सितंबर, 2016 होगी।***
- ***आलेख डाक अथवा इमेल द्वारा भेजा जा सकता है।***

अधिक जानकारी के लिए फ़ोन, फ़ैक्स अथवा इमेल द्वारा संपर्क करें।

संपादकीय टीम :
सुश्री श्रद्धांजलि हजगैबी
सुश्री त्रिशिला सोमर, श्रीमती उषा राम,
सुश्री शिक्षा धनपत, सुश्री चित्रलेखा रामदोयाल,
श्रीमती विजया सरजु, डॉ. देविना अक्षयवर
***
विश्व हिंदी सचिवालय
स्विफ्ट लेन, फ़ॉरेस्ट साइड 74427, मॉरीशस
World Hindi Secretariat
Swift Lane, Forest Side 74427, Mauritius
फ़ोन/Phone: (230) 676 1196 * फ़ैक्स/Fax: (230) 676 1224
ईमेल/Email: info@vishwahindi.com
वेबसाइट/Website: www.vishwahindi.com
***
Printed by BAHADOOR PRINTING LTD.
Avenue St. Vincent de Paul-Pailles
Tel: (230) 2081317